''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, | अंक 253 | पृष्ठ 08 | मूल्य 01 रूपए | वीरवार, 28 नवंबर 2024 | samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बने स्वच्छता दूत, कुरूक्षेत्र में स्वच्छता महाअभियान की शुरुआत कर हरियाणा को स्वच्छ और सुंदर बनाने का दिया संदेश

मुख्यमंत्री ने स्वयं झाडू लगाकर किया श्रमदान और नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति किया प्रेरित

पूरे विश्व में कुरुक्षेत्र की स्वच्छता और सुंदरता में बनेगी अलग पहचान - नायब सिंह सैनी

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के तहत विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प में राज्य को स्वच्छ और सुंदर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज स्वच्छता दूत के रूप में कुरुक्षेत्र में स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का महान संदेश दिया। मुख्यमंत्री की इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए इसे एक जन आंदोलन बनाना है, ताकि हरियाणा न केवल स्वच्छ बने बल्कि इसकी पहचान सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ राज्य के रूप में बने।

मुख्यमंत्री ने आज श्रमदान करते हुए थानेसर शहर में स्वच्छ कुरुक्षेत्र महासफाई अभियान का शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने स्वच्छता रथ गीता महोत्सव को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और जन-जन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए स्वच्छ कुरुक्षेत्र के बोर्ड पर अपने हस्ताक्षर भी किए।

स्वच्छ कुरुक्षेत्र की इस पहल में मुख्यमंत्री के साथ सैकड़ों लोगों ने भी करीब एक घंटा शेखचिल्ली मकबरे से लेकर ओपी जिंदल पार्क, ज्योतिबा भाई फूले व ताऊ देवीलाल चौक पर स्वच्छता अभियान में अपना श्रमदान दिया। मुख्यमंत्री ने शेखचिल्ली मकबरे से कुरुक्षेत्र के 18 जोन में स्वच्छता अभियान का आगाज करने के साथ-साथ स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र के एक-एक नागरिक को स्वच्छता अभियान के साथ जुड़ना चाहिए।

इस दौरान एक कार्यक्रम में नागरिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में देश विदेश से लाखों लोग धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में पहुंचेगे। इसलिए गीता स्थली कुरुक्षेत्र को स्वच्छ और सुन्दर बनाना पहली जिम्मेदारी है, ताकि पूरी दुनिया में कुरुक्षेत्र की स्वच्छता और सुंदरता में विशेष पहचान बने।

सबसे पहला लक्ष्य हरियाणा को पूर्णतः स्वच्छ बनाना

ख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इस देश में जब पूर्णतः स्वच्छता का वातावरण होगा तो निश्चित ही लोगों को बीमारियों से छुटकारा मिलेगा और जब सभी नागरिक स्वस्थ होगें तो देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ेगा। प्रदेश अब तीन गुणा गति से तरक्की करेगा। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश का विकास योजनाबद्ध तरीके से किया जाएगा। विकसित हरियाणा बनाने की दिशा में सबसे पहला लक्ष्य हरियाणा को पूर्णतः स्वच्छ बनाना है। सभी स्थानीय निकायों में कर्मचारियों की कमी को दूर किया जा रहा है और संसाधनों की भी कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 775810 व्यक्तिगत शौचालयों व 6 हजार से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 17 शहरी स्थानीय निकायों को ओडीएफ, 59 निकायों को ओडीएफ प्लस तथा 2 निकायों को वॉटर प्लस के रूप में प्रमाणित किया गया हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में 100 से कम शहरी निकायों वाले राज्यों की श्रेणी में हरियाणा ने राष्ट्रीय स्तर पर 14वां स्थान प्राप्त किया है। गुरुग्राम, फरीदाबाद में 1200-1200 क्षमता के 2 प्लांट लगाएं जाएगें। निश्चित रूप से इन प्रयासों से हरियाणा स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को स्वच्छ बनाने में संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी। साथ ही कुरुक्षेत्र स्वच्छ मुहिम को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस अभियान को सख्ती से लागू किया जाएगा। इस अभियान पर उपायुक्त निरन्तर नजर रखेंगे, ताकि कहीं भी कोई कमी न रहे।

पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा ने प्रशासन की तरफ से थानेसर को 18 जोन में विभाजित किया गया है और हजारों लोगों ने कुरुक्षेत्र को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दिया हैं। इस अभियान के साथ सभी नागरिकों को जुड़ने की जरूरत हैं। जब सभी नागरिक अभियान के साथ जुड़ेंगे तभी स्वच्छ कुरुक्षेत्र के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा।

इस मौके पर उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरूण सिंघल सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि,अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा

ऑस्ट्रेलिया के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से की मुलाकात

ऑस्ट्रेलिया के छः शीर्ष विश्वविद्यालयों का एक संघ गुरुग्राम में अपना परिसर करेगा स्थापित

मुख्यमंत्री ने परिसर शुरू करने के लिए राज्य सरकार का पूर्ण सहयोग देने की पेशकश की

परिसर की स्थापना से अब छात्रों को स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने की आवश्यकता नहीं होगी

पढ़ाई पूरी करने के बाद हरियाणा के छात्रों को न केवल राज्य में बल्कि विश्व स्तर पर आकर्षक नौकरी के अवसर मिलेंगे

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है और कई देश हरियाणा में अपने परिसर स्थापित करने में रूचि दिखा रहे हैं। इसी के अनुरूप, ऑस्ट्रेलिया के छह शीर्ष विश्वविद्यालयों के एक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के उप उच्चायुक्त श्री निक मैककैफ्रे के नेतृत्व में आज यहां मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए गुरुग्राम में एक परिसर स्थापित करने में गहरी रुचि व्यक्त की। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल में श्री मैथ्यू जॉनसन, मिनिस्टर काउंसलर, शिक्षा और अनुसंधान, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग तथा प्रोफेसर साइमन बिग्स, आईआरयू के अध्यक्ष व जेम्स कुक विश्वविद्यालय के कुलपति व प्रेसिडेंट और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और उन्हें एक मौजूदा भवन व अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने सहित राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस संबंध में जल्द ही एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। परिसर की स्थापना के साथ, छात्रों को अब ऑस्ट्रेलिया जाने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि वे यहीं हरियाणा में ही स्नातक पाठ्यक्रम में शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। अपनी पढ़ाई पूरी करने पर, उन्हें ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय से एक प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, जो न केवल हरियाणा में बल्कि वैश्विक स्तर पर आकर्षक नौकरी के अवसरों के द्वार खोलेगा।

यह पहल हरियाणा के छात्रों को विदेश में अध्ययन करने से जुड़ी भारी ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों में बचत करने में मदद करेगी। 12वीं कक्षा के बाद, इस परिसर में छात्रों को सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), वित्तीय प्रौद्योगिकी, पर्यटन और आतिथ्य तथा खेल प्रबंधन में चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम करने का अवसर मिलेगा। पाठ्यक्रमों की श्रेणियों को जरूरतों के अनुरूप धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने अक्टूबर 2024 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत पर भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को बधाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री की लोगों के प्रति मैत्रीपूर्ण व्यक्तित्व की भी सराहना की। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के उप उच्चायुक्त श्री निक मैककैफ्रे ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आपसी सहयोग के नए द्वार खोले हैं, जिसमें शिक्षा क्षेत्र परस्पर सहयोग का सबसे बड़ा क्षेत्र है।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने सम्मान प्रतीक के रूप में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को श्रीमद्भगवद गीता की एक प्रति भेंट की। बैठक में मुख्य सचिव श्री विवेक जोशी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, उच्चतर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री डी. सुरेश, विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार श्री पवन चौधरी तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर लोहान भी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार किया ग्रहण

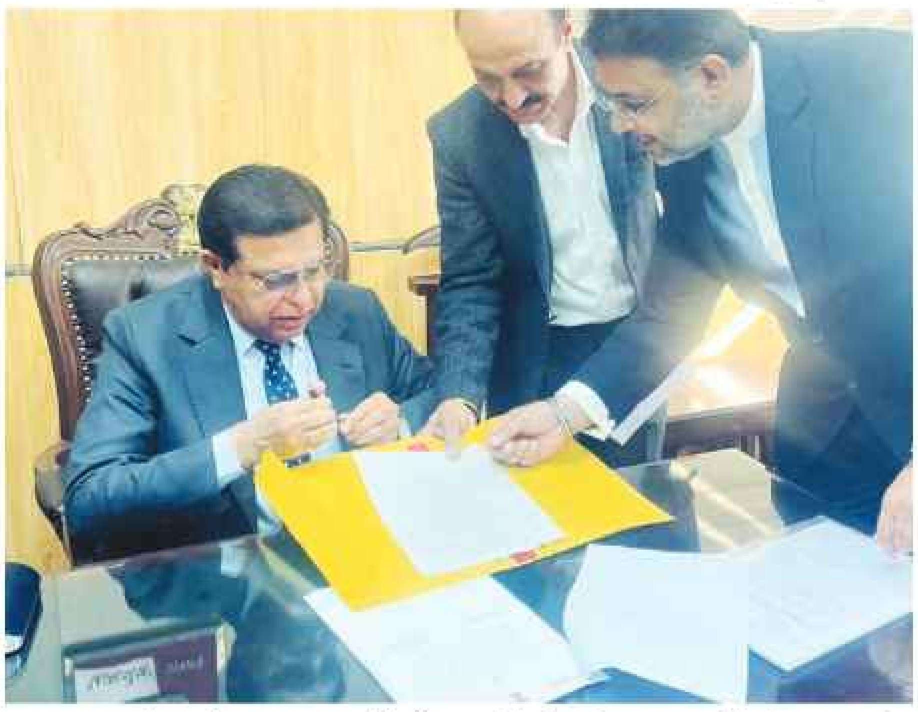

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने आज हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उनके साथ दो नए सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया ने भी कार्यभार संभाल लिया। हरियाणा सरकार ने न्यायमूर्ति ललित बत्रा (सेवानिवृत्त) पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय को हरियाणा मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके साथ सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुलदीप जैन और दीप भाटिया को आयोग का सदस्य नियुक्त किया है।

न्यायमूर्ति ललित बत्रा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं जबकि कुलदीप जैन सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता दीप भाटिया भी आयोग के सदस्य एवं कार्यवाहक अध्यक्ष रह चुके हैं।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री ने ली जिला नगर आयुक्त व नगर परिषदों के चेयरमैन की बैठक

समाचार गेट/संजय शर्मा

चंडीगढ़। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि विकास परियोजनाओं के कार्य में निर्माण सामग्री गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा और ठेकेदारों की निविदा लेते समय एकाधिकार नहीं चलने दिया जाएगा। नेगोशिएशन के माध्यम से पारदर्शी व स्पष्ट तरीके से कार्य आबंटित किए जाएंगे। विपुल गोयल आज यहां नगर परिषद नरवाना, जींद, मंडी डबवाली, थानेसर व रतिया में आबंटित किए जाने वाले निविदाओं के हरियाणा रेट्स के अनुमोदन के संबंध में बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारी तथा जींद, सिरसा तथा कुरुक्षेत्र के जिला नगर आयुक्त तथा इन उक्त नगर परिषदों के चेयरमैन भी उपस्थित थे।

जींद नगर परिषद की चेयरपर्सन द्वारा टेंडर आबंटन में तकनीकी विंग द्वारा अनावश्यक विलंब के संबंध में उठाए गई मांग पर मंत्री ने जिला नगर आयुक्त को एक महीने के अंदर-अंदर जांच के आदेश दिए और कहा कि यह ध्यान में रखा जाए कि जिस एजेंसी को कार्य आबंटित किया जा रहा है उस एजेंसी के पिछले कार्य रिकार्ड को भी देखा जाए कि उसकी कार्य गुणवत्ता मानदंडों के अनुरूप है या नहीं। इसके अलावा टेंडर प्रक्रिया एक महीने के अंदर-अंदर पूरी होनी चाहिए। स्थानीय निकायों में कर्मचारियों की कमी पर मंत्री ने कहा कि सभी नगर परिषदों व नगर पालिकाओं की आवश्यकता पर रिपोर्ट मांगी गई है जिसे शीघ्र मुख्यालय भेजना होगा ताकि पदों को भरने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। बैठक में जिन विकास कार्यों के लिए हरियाणा रेटस को निर्धारित किया गया उनमें नगर परिषद जींद में दिल्ली-फिरोजपुर रेलवे लाइन के पास वर्तमान में डंप किए हुए कचरे का उठान, मंडी डबवाली में राम बाग के पीछे की साइड डंप लिगेसी वेस्ट का जैविक उपचार, एकलव्य स्टेडियम, जींद में सिंथेटिक ट्रेक बिछाना; नगर परिषद नरवाना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं अध्ययन केन्द्र का निर्माण तथा नगर पालिका रतिया में नियमित की गई नई कॉलोनियों में इंटरलॉकिंग पेविंग ब्लॉकिंग के साथ सड़कों व गलियों के रेट्स निर्धारित किए गए।

मंदिर के दानपात्र व पीतल मूर्ती की चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दे की थाना खेडीपुल में धीरज वासी टीटु कॉलोनी ने अपनी शिकायत में बताया कि 26/27 सितम्बर की रात को मंदिर से अज्ञात लोगो ने मूर्ती, दानपत्र से करीब 3000/-रु की चोरी की है। जिसके संबंध में थाना खेडीपुल में मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने आरोपी ओमबीर को माननीय अदालत से पुलिस प्रोडक्शन पर लिया है। ओमबीर उर्फ भूत मूल रुप से भिडुकी पलवल को रहने वाला है। वर्तमान में भारत कॉलोनी खेडीपुल में रह रहा है। आरोपी थाना धौज के चोरी के मामले में जेल में बंद था। आरोपी से पूछताछ में गांव भिडुकी से पीतल की लड्डु गोपाल की मूर्ति बरामद की गई है। अपराधिक रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर पूर्व में चोरी के 4 मामले दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा दिया।

दादी से मिलकर पोता हुआ भावुक

बुजुर्ग महिला को नवजन मोर्चा समिति ने मिलाया

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बुजुर्ग महिला राधारानी को आज सबसे बड़ा उपहार तब मिला जब आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज ने उसे उसके पोते नवनीत मिगलानी से मिलवाया। पोते नवनीत से मिलते ही राधारानी की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और पोता भी भावुक हो गया। दरअसल बुजुर्ग महिला किशन लाल बजाज को बादशाह खान अस्पताल में लावारिस हालत में मिली थी जोकि रास्ता भटककर वहां पहुंच गई थी। जब उससे परिजनों के बारे में पूछा था तो उस समय वह कुछ भी बताने में असमर्थ थी। पता पूछने पर वह सिर्फ ओल्ड फरीदाबाद बता रही थी। किशन लाल बजाज ने अपने आधार पर उसके परिजनों की तलाश की जिसके बाद आज राधारानी की पोता उन्हें लेने आश्रम पहुंचा था। नवनीत मिलगलानी ने ताऊ देवीलाल के संचालक का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आप बेसहारा और गरीब बुजुर्गों के लिए देवता के समान है और भगवान के प्रार्थना करते है कि आपको ऐसे नेक कार्य करने के लिए और शक्ति प्रदान करें।

समाचार गेट की तरफ से रेखा रानी अग्रवाल को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें। नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम स्टापर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

20 रुपये के लिए कलयुगी बेटे ने की मां की हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मालदा के कंदुआ गांव में एक रिश्ते को तार-तार कर देने का मामला सामने आया है। यहां एक लड़के ने अपनी मां की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की जानकारी लगते ही गांव वालों ने युवक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी लड़के का नाम चयन सिंह है। वहीं मृत महिला का नाम आरती सिंह है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक चयन सिंह मजदूरी का काम करता है और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। रोज काम से आने के बाद वह अपनी मां से झगड़ा करता था। हालांकि, 26 नवंबर को दोनों के बीच लड़ाई चरम पर पहुंच गई। ऐसे में बेटे ने गुस्से में आकर मां को मौत के घाट उतार दिया। पड़ोसियों ने घर से तेज आवाजें सुनने के बाद अंदर झांककर देखा तो महिला खून से लथपथ पड़ी थी और बेटा मौके पर मौजूद था। पड़ोसियों ने बताया कि दोपहर में उसने अपनी मां से 20 रुपये मांगे थे, लेकिन महिला ने उसे देने से मना कर दिया था। इस वजह से युवक ने ऐसा किया है। पड़ोसियों ने तुरंत ही वारदात की सूचना पुलिस को दी। गुजरात के सूरत से भी ऐसी ही दिल दहला देने वाली घटना आई थी। पंचशील नगर में एक बेटे ने अपनी 85 साल की बुजुर्ग मां की हत्या कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला बंगाली बिस्वाल उड़ीसा के गंजाम की रहने वाली थी और सूरत में अपने बेटे और बहू के साथ रहती थी। पुलिस को आरोपी से पूछताछ में पता चला कि मां ने उसकी पसंद का खाना नहीं बनाया, जिससे वह गुस्से में आ गया।

चिराग पासवान ने कहा- कांग्रेस और उनके साथियों को संविधान पर बोलने का कोई हक नहीं

पटना (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि कांग्रेस और उनके साथियों को संविधान पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने की वजह बताते हुए कहा कि ये वही कांग्रेस है जिसने 1975 में आपातकाल लगाकर संविधान की धज्जियां उड़ाई थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को सम्मान देने का काम किया। पीएम मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के तौर पर विकसित कर उनको सम्मान दिया। इसके बाद कांग्रेस और उनके घटक दलों को भीमराव अंबेडकर की याद आई।

उन्होंने कहा कि जिस संविधान की प्रति को आज कांग्रेस नेता हाथ में लेकर घूम रहे हैं, उस संविधान के निर्माता की एक तस्वीर तक संसद में नहीं थी। जबकि कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं की तस्वीर थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक ही परिवार के तीन-तीन नेताओं की तस्वीर पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में लगी हुई थी। यह वही कांग्रेस पार्टी है, जिन्होंने बाबा साहेब को हरवाने का काम किया। आज वही उनको संविधान के निर्माता के तौर पर याद आते हैं और वही संविधान याद आता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने झूठ बोला कि नरेंद्र मोदी अगर तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे तो संविधान की हत्या हो जाएगी, आरक्षण खत्म हो जाएगा, लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा। आज सरकार बने लगभग 6 महीने होने को है, बताइए किसका आरक्षण छीन लिया गया? कौन से लोकतंत्र की हत्या कर दी गई? सिर्फ झूठ बोलना कांग्रेस और उनके घटक दलों का काम है और यही कारण है कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में उनकी इतनी बड़ी हार होती है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की विपक्ष की मांग पर चिराग पासवान ने कहा कि जब उनकी पार्टी की सरकार केंद्र में और बिहार में भी थी, तो क्यों नहीं दर्जा दिलवा दिया? कथनी और करनी में समानता होनी चाहिए, लेकिन विपक्ष के पास यही नहीं है। झारखंड में पार्टी के एक विधायक के चुने जाने पर पासवान ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में भी हमारी पार्टी का विस्तार हो रहा है। नागालैंड के बाद अब झारखंड में भी हमारा विधायक है।

मुसलमानों से छीना जाए वोट देने का अधिकार, वक्फ नहीं छीन सकता किसानों की जमीन : चंद्रशेखरनाथ स्वामी

बेंगलुरु। देश में ऐसा कानून लाना चाहिए, जिसके तहत किसी भी मुस्लिम को वोट देने का अधिकर न हो। पाकिस्तान ने भी ऐसा किया हुआ है, जहां दूसरे धर्म के लोगों के पास वोट डालने का अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे किसानों की जमीनों को लेकर बात की और बोले कि कहा जाता है कि वक्फ किसी की भी जमीन पर दावा कर सकता है। ऐसे में हमें किसानों की जमीनों के लिए लड़ना चाहिए, जिससे के उनकी जमीनें उनके पास ही रहें। किसी की जमीन छीनना कोई धर्म नहीं है। किसानों पर हो रहे जुल्म के खिलाफ हमें लड़ने की जरूरत है। यह बात विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी ने कही। उन्होंने वक्फ बोर्ड को खत्म किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमें सुनिश्चित करना होगा कि वक्फ बोर्ड न हो, क्योंकि नेता वोटों के लिए सब कुछ करते हैं। चंद्रशेखरनाथ स्वामी ने ये सारी बातें बेंगलुरु में कहीं, जहां वह भारतीय किसान संघ की ओर से आयोजित विरोध सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में ये भी कहा कि पाकिस्तान की तरह भारत में भी ऐसा ही होना चाहिए। हम अगर यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं होगा तो मुसलमान अपने आप सीमित रहेंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में किराये का दूल्हा पकड़ाया

बागपत। यूपी के बागपत में इंद्रदेव इंस्टीट्यूट में सरकारी की ओर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शादियों का आयोजन किया गया था। इस दौरान आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में किराये का दूल्हा पकड़ाया है। इस समारोह में 252 जोड़ों की शादी हो रही थी, जिसमें 193 हिंदू और 59 मुस्लिम जोड़े शामिल थे। इस दौरान एक ऐसा भी दूल्हा प्रशासन को मिला, जिसे किराए पर लाया गया था। मामले का पता चलते ही अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में दूल्हा-दुल्हन और उनके परिजन कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे हुए थे। सभी लोग शादी की तैयारियों में लगे हुए थे। जिला प्रशासन अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा कर रहा था। शादी समारोह मे सब कुछ बिल्कुल ठीक चल रहा था। इसी दौरान जिला प्रशासन की टीम को फेरों के समय एक युवक के फर्जी होने पर शक हुआ। पुलिस ने युवक के फेरे को रोककर जांच की तो, पता चला की युवक दूल्हा नही है। पुलिस ने युवक से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह किराया पर आया हुआ है। हालांकि, फर्जी साबित होने के बाद भी युवक के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। जांच में सामने आया है कि युवक दो हजार में नकली दूल्हा बनकर आया था। वहीं, युवक ने शादी के लिए फर्जी आधार कार्ड भी बनवाया था।

लॉरेंस गैंग की धमकी के बाद पप्पू यादव कर रहे बुलेटप्रूफ कार की सवारी

–रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड का भी नहीं होगा कार पर असर

पटना (एजेंसी)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेन्स विश्नोई गैंग से धमकी मिलने के बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अब बेहद सुरक्षित बुलेटप्रूफ लैंड क्रूजर गाड़ी की सवारी करने लगे हैं। पप्पू यादव ने बताया कि यह गाड़ी उनके एक दोस्त प्रकाश ने 15 दिनों के अंदर विदेश से मंगवाई है। इस गाड़ी को रॉकेट लॉन्चर या ग्रेनेड से कोई फर्क नहीं पड़ता। पप्पू यादव ने कहा कि सिर्फ सरकार को छोड़कर उनकी सुरक्षा की चिंता उनके मित्रों, पूरे बिहार को है। सरकार को जब कोई चिंता नहीं है तो खुद से सुरक्षा का प्रबंध करना अपना कर्म है। पप्पू यादव ने कहा कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली बख्तरबंद कारों में से एक को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। बुलेटप्रूफ टोयोटा लैंड क्रूजर 200 की कीमत करीब 2.50 करोड़ रुपये है। लॉरेन्स विश्नोई से धमकी मिलने के बाद अभिनेता सलमान खान भी इसी गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। यह गाड़ी दुनिया की सबसे सुरक्षित गाड़ियों में से एक है। जानकारी के मुताबिक पप्पू यादव को अब तक लगभग 22 धमकी देश और विदेश से मिल चुकी है। धमकियों से परेशान पप्पू यादव ने अब खुद धमकी देने वाले को मैदान में फरिया लेने की बात कह रहे हैं। धमकी देने वाला अगर कहता है कि आपकी रेकी हो रही है, अभी कहां हो यह भी बता सकता हूं तो पप्पू यादव अपने अगले कार्यक्रम की भी जानकारी दे देते हैं और कहते है कि मां का दूध पिया है तो आओ।

खड़गे के बयान पर बीजेपी का पलटवार, संबित पात्रा बोले- ईवीएम हटाओ या न हटाओ, जनता ने कांग्रेस को साइड कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी सांसद संबित पात्रा ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठने को लेकर बुधवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि जनता ने कांग्रेस पार्टी को किनारे कर दिया है। उन्होंने कहा कि कल (26 नवंबर को) संविधान दिवस था। संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने कांग्रेस कार्यालय में ईवीएम को कोसा है और कहा कि हमें ईवीएम हटाना है और बैलेट पेपर को फिर से लेकर आना है।

कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए पात्रा ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी, आप ईवीएम हटाओ या न हटाओ, लेकिन जनता ने कांग्रेस को साइड में रख दिया है। करीब हर राज्य के चुनाव में कांग्रेस साइड लाइन कर दी गई है। महाराष्ट्र में तो नेस्तनाबूद हो गई है। उन्होंने कहा कि एक ओर महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत हुई है तो वहीं कांग्रेस का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि हर राज्य के चुनाव में कांग्रेस को किनारे कर दिया गया है, यहां तक कि झारखंड में भी। आज कांग्रेस बीजेपी से काफी पीछे है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस का सफाया हो गया है। महाराष्ट्र में उन्हें महज 16 सीटें मिली है। महायुति ने भारी बहुमत से जीत हासिल की है, लेकिन कांग्रेस का महाराष्ट्र से सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अन्य लोगों सहित कांग्रेस पार्टी के नेताओं के चेहरे पर निराशा स्पष्ट रूप से लिखी हुई है। भाजपा नेता ने कहा कि मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ, मल्लिकार्जुन खड़गे जी जैसे एक वरिष्ठ नेता ने कल एक वाक्य कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी, और गरीबों का वोट ईवीएम के कारण खराब हो रहे हैं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या सोचते हैं मल्लिकार्जुन खड़गे जी और कांग्रेस पार्टी के लोग कि एससी, एसटी, ओबीसी, समाज इतना अनपढ़ है कि उन्हें ईवीएम में वोट करना नहीं आता? कांग्रेस की ऐसी सोच एससी, एसटी, ओबीसी,समाज का अपमान है। मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि कमजोर तबकों का वोट जाया हो रहा है और ऐसे में मतपत्रों के जरिए मतदान होना चाहिए तथा इस मांग को लेकर 'भारत जोड़ो यात्रा' की तरह एक मुहिम शुरू करनी है। उन्होंने कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों की ओर से आयोजित 'संविधान रक्षक अभियान' कार्यक्रम में यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जाति जनगणना कराने से डरते हैं क्योंकि इन्हें लगता है कि ऐसा करने से सभी वर्ग अपनी हिस्सेदारी मांगने लगेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी, गरीब तबके के लोग अपनी पूरी शक्ति लगाकर वोट दे रहे हैं, उनका वोट फिजूल जा रहा है...हमें मतपत्र के जरिये वोट चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी जी के घर, या अमित शाह के घर में मशीन रखने दो, अहमदाबाद के किसी गोदाम में रखने दो। लेकिन हमें मत पत्र चाहिए। खरगे ने कहा कि पार्टी की तरफ से एक मुहिम शुरू करनी चाहिए। सभी पार्टियों को कहेंगे। जैसे राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली गई थी, वैसे ही 'मत पत्र चाहिए' की मुहिम शुरू करनी होगी।'

दुनिया में बोहो कैफे...जहां एक लाख रुपये में मिलती हैं चाय

नई दिल्ली। हमारे देश में ज्यादातर लोगों के दिन की शुरुआत चाय की चुस्की के साथ होती है। वहीं शाम में चाय पीते-पीते कुछ बातों पर चर्चा भी होती है। इतना ही नहीं हमारे देश में चाय छोटे-मोटे सिर दर्द को भगाने के लिए एक दवा के रुप में इस्तेमाल होती है। लोगों के सिर में दर्द होता है, तब वे दवाई नहीं लेते बल्कि चाय पीना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी कोई ऐसी चाय पी है जिसने आपकी जेब और आपको, दोनों को बहुत ही तगड़ा झटका दिया हो। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें नजर आ रहा है कि एक लड़की कैफे में बैठकर चाय पी रही है। वे जिस चाय को पीती दिखती है उसका नाम गोल्ड करक है और उसकी कीमत 5000 एईडी है। इस भारतीय मुद्रा में बदलने पर 1 लाख 14 हजार 750 कीमत हो जाएगी। जी हां, लड़की जिस कैफे के चाय के बारे में बात रही है उसका नाम बोहो कैफे है। वहां चाय चांदी के कप में लोगों को सर्व किया जाता है। चाय भी काफी हटके है क्योंकि चाय के सबसे ऊपर एक 24 कैरेट गोल्ड की एक शीट होती है। वीडियो में लड़की बताती है कि चाय पीने के बाद चांदी के कप-प्लेट को साथ में ले जाया भी जा सकता है।

गिरिराज का अखिलेश और राहुल गांधी पर तंज, संभल जाने वाले बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर कुछ कहे

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान पथराव की घटना ने स्थिति को तनावपूर्ण कर दिया है, इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई और 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हिंसा पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो लोग संभल जाने की बात कर रहे हैं, उन्हें बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं पर हिंसा पर भी बोलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, राहुल गांधी और अखिलेश बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को नजरअंदाज कर रहे हैं, जबकि बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय दास को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया है। मेरा सुझाव है कि हिंदुओं को बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार का विरोध करना चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा को उत्तर प्रदेश के हालात की जानकारी है और वे संभल जाने की योजना बना रही हैं। उनका दावा है कि गांधी परिवार ही वह परिवार है, जो हिंसा में पीड़ित परिवारों का दर्द समझ सकता है।

संभल के पत्थरबाजों के लगेंगे पोस्टर, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से होगी वसूली

लखनऊ। संभल में हुए बवाल के बाद योगी सरकार सार्वजनिक स्थानों पर पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर लगाएगी और उनसे वसूली भी करेगी। यूपी की योगी सरकार पूर्व में उपद्रवियों और अपराधियों के खिलाफ नुकसान की वसूली और पोस्टर का अध्यादेश जारी कर चुकी है। यानि स्पष्ट है कि उपद्रवियों से सरकार को हुए नुकसान की वसूली की जाएगी। अपराधियों की वजह से किसी भी सार्वजनिक संपत्ति को हुए की भरपाई कराई जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने यह भी कहा है कि इन अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद करने वालों को इनाम भी दिया जाएगा। बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के संभल में स्थित मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए पथराव किया गया था। पत्थरबाजी का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कई युवक पुलिस पर पथराव कर रहे हैं। युवकों ने अपना मुंह कपड़े से ढक रखा है, ताकि पुलिस में उनकी पहचान न हो सके। वीडियो में कई लोग हाथों में पत्थर लिए दिख रहे हैं। ये पत्थर वे लोग पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर फेंक रहे हैं। यह लोग एक के बाद एक लगातार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर ईंट, पत्थर सहित तमाम चीजें बरसाते दिख रहे हैं। संभल हिंसा मामले में 20 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही उपद्रवियों और अपराधियों के खिलाफ नुकसान की वसूली और उनके पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाने के लिए अध्यादेश जारी किया था। इस फैसले के तहत, उन अपराधियों की पहचान सार्वजनिक की जाएगी, जिन्होंने राज्य में हिंसा या उपद्रव किया हो, ताकि उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जा सके और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

बांग्लादेश में चिन्मय की गिरफ्तारी मामले में केंद्र सरकार करे हस्ताक्षेप

–दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की मोदी सरकार से अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में इस्कॉन के प्रमुख नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव बढ़ गया है। चिन्मय पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर भगवा झंडा लगाने का आरोप है, राष्ट्रीय ध्वज के अपमान में ढाका पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार में लिया। इस मामले को लेकर भारत में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार से इस मामले में दखल देने की मोदी सरकार से अपील की है। उन्होंने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास को जल्द रिहा किया जाना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर आपत्ति जताई है। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और दमन की निंदा करते हुए चिन्मय दास की गिरफ्तारी को अस्वीकार्य बताया है। वहीं, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इसे आंतरिक मामला बताया और भारत से इस मामले में हस्तक्षेप न करने को कहा है। इस्कॉन ने इस घटना को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की और कहा कि बांग्लादेश में सनातन धर्म के लोगों के साथ भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन ने बांग्लादेश सरकार से तीन प्रमुख मांगें रखी हैं, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई, अल्पसंख्यकों पर हमले के दोषियों पर कार्रवाई और देश में शांति और सद्भाव तय करने के लिए कदम उठाना। ढाका पुलिस ने बताया कि चिन्मय दास पर 25 अक्टूबर को चटगांव में एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया है। यह शिकायत पूर्व बीएनपी नेता फिरोज खान ने दर्ज कराई थी, जिन्हें बाद में पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निष्कासित कर दिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस घटना ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीते साल 95 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक भारत आए, सरकार ने जारी किया आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी पर्यटकों का भी भारत की जीडीपी में योगदान है। पिछले साल करीब 5 फीसदी जीडीपी में योगदान देने वाले पर्यटकों के लिए भारत सरकार ने कुछ सहूलियतें भी उपलब्ध कराई हैं। 2023 में भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 9.52 मिलियन (95.2 लाख) रही। इनमें से 46.2 प्रतिशत पर्यटक छुट्टियों, मनोरंजन और यात्रा के उद्देश्य से भारत आए थे, जबकि 26.9 प्रतिशत पर्यटक भारतीय प्रवासियों के रिश्तेदार थे जो भारत यात्रा पर आए थे। इसके अलावा कुछ लोग विदेशों से इलाज के लिए भी भारत आए थे।

यह जानकारी केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में दी। मंत्री ने आगे कहा कि 2023 में भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 9.52 मिलियन (95.2 लाख) रही। इनमें से 46.2 प्रतिशत पर्यटक छुट्टियों, मनोरंजन और यात्रा के उद्देश्य से भारत आए थे, जबकि 26.9 प्रतिशत पर्यटक भारतीय प्रवासियों के रिश्तेदार थे जो भारत यात्रा पर आए थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2015-16 में पर्यटन क्षेत्र के सैटेलाइट अकाउंट के अनुसार 2018-19 में पर्यटन का जीडीपी में योगदान 5.01 प्रतिशत था। इसके बाद, 2020-21 में यह घटकर 1.5 प्रतिशत और 2021-22 में 1.75 प्रतिशत रहा था। उन्होंने बताया कि 2022-23 में फिर से पर्यटन क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 5 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्षों से सुधार दर्शाता है। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि भारत में चिकित्सा उपचार के लिए विदेशियों के आने को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ई-मेडिकल वीजा और ई-मेडिकल अटेण्डेंट वीजा की सुविधा 167 देशों के नागरिकों के लिए लागू कर दी है। यह कदम विदेशों से आने वाले मरीजों और उनके साथ यात्रा करने वालों के लिए सहूलियत बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

जम्मू में पहली बार एनएसजी कमांडो तैनात, आतंकियों के खिलाफ होगी तुरंत कार्रवाई

श्रीनगर (एजेंसी)। बढ़ती आतंकी वारदातों पर लगाम लगाने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने जम्मू में एनएसजी कमांडो तैनात किया है। यह फोर्स अब आतंकियों के खिलाफ तुरंत एक्शन लेगी। एनएसजी कमांडो जम्मू में रहेंगे।

टास्क फोर्स की तैनाती किसी भी बड़ी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए किया गया है। पिछले कुछ दिनों में जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर आतंकी हमलों का ध्यान में रखत हुए गृह मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। इससे पहले आतंकवादियों को खत्म करने के लिए एनएसजी की जरूरत महसूस होती थी, तो इन्हें नई दिल्ली या चंडीगढ़ से हवाई मार्ग से बुलाना पड़ता था, जिसमें काफी वक्त लगता था। अब एनएसजी कमांडो जम्मू शहर में आसानी से उपलब्ध होंगे। एनएसजी कमांडो की तैनाती जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी योजना का हिस्सा है, खासकर ऊंची इमारतों, सुरक्षा प्रतिष्ठानों और संवेदनशील प्रकृति के सार्वजनिक स्थानों पर अगर किसी तरह का आतंकवादी हमला होता है, तो यह टीम पूरी तरह से एक्टिव रहेगी। हाल के दिनों में जम्मू, कठुआ, उधमपुर, किश्तवाड़, डोडा, रियासी, राजौरी और पुंछ इलाके में कई आतंकी घटनाएं देखने को मिली थी, जिसकी वजह से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनएसजी को जम्मू में तैनात किया है।

क्या है एनएसजी

एनएसजी कमांडो एडवांस्ड हथियारों और तकनीक का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता प्रभावी हो जाती है। एनएसजी को ब्लैक कैट कमांडो कहा जाता है, क्योंकि ये काले रंग की वर्दी और हेलमेट पहनते हैं, जिससे इनकी पहचान यूनिक और सबसे छिपी रहती है। इनका प्रतीक चिन्ह भी एक काली बिल्ली है, यह गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाली आतंकवाद रोधी इकाई है। एनएसजी कमांडो को आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन, और बड़े जोखिम वाली स्थितियों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

भारतीय संविधान का सम्मान ही देश का सम्मान है : रेनू भाटिया

लायर्स सोशल जस्टिस फोरम द्वारा संविधान दिवस समारोह का आयोजन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा महिला आयोग की चेयरमैन रेनू भाटिया कहा कि देश का संविधान हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का मार्ग प्रशस्त करता है। श्रीमती भाटिया राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल मैगपाई में लायर्स सोशल जस्टिस फोरम की ओर से देश में संविधान को अंगीकृत करते हुए 75 साल पूर्ण होने पर लायर्स सोशल जस्टिस फोरम के अध्यक्ष राजेश खटाना एडवोकेट द्वारा आयोजित संविधान दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थी।

सेमिनार के दीप प्रज्वलन के साथ हमारा संविधान की सामाजिक न्याय में भूमिका एंव प्रेस की स्वतंत्रता थीम पर केंद्रित संविधान दिवस समारोह का विधिवत रूप से शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया, मैट्रो की वाइस प्रेसिडेंट सना तारीक, हरियाणा के मीडिया कोर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ, वरिष्ठ समाजसेवी डाक्टर एम.पी.सिंह, हरियाणा सरकार के पूर्व सहायक एडवोकेट जनरल विकास वर्मा सुप्रीम कोर्ट, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक जार्ज, प्रोफेसर रचना कसाना, जिला बार एसोसिएशन के सचिव पवन पाराशर, एडवोकेट मुकेश राजपूत मौजूद थे। समारोह में अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए

कहा कि संविधान की प्रस्तावना हमें समाज के प्रति अपने अधिकारों की जानकारी का ज्ञान कराने के साथ ही सशक्त नागरिक के रूप में निभाई जाने वाली भूमिका के उद्देश्य से अवगत कराते हुए सार्थक संदेश देती है।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को संविधान के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए इस प्रकार के आयोजन महत्ती भूमिका निभाते हैं। जीवन को किस तरीके से समाज में यापन किया जाए वह सभी प्रकार के माध्यम संविधान में निहित हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के गठन के साथ ही बदलते परिवेश में 127 संशोधन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए संविधान में महिलाओं की सुरक्षा पर फोकस रखते हुए महिला आरक्षण बिल को पारित किया है। आयोजक राजेश खटाना एडवोकेट ने सभी युवाओं संविधान के बारे में अवश्य पढ़ाएं और उन्हें उनके अधिकारों से भी अवगत कराते हुए श्रेष्ठ नागरिक बनने में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि संविधान हमारी ताकत है व हमारा गौरव है। विशिष्ट अतिथि मैट्रो हॉसपिटल की वाइस प्रेसिडेंट सना ने विचार करत हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना में जो शब्द हम भारत के लोग लिखे गए हैं वे इस बात का प्रतीक हैं कि वास्तवित स्रोत समाज के प्रबुद्ध व्यक्ति ही हैं। यह हमारे लिए समानता, स्वतंत्रता व भाईचारे का संदेश देता है।

साथ ही हमसार एकता व हमारी पहचान का आधार है। डाक्टर एम.पी. सिंह ने अपने संदेश में कहा कि संविधान ने हमें मौलिक कर्तव्यों की भी शिक्षा दी है। यह कर्तव्य हमें अपने राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने, पर्यावरण की रक्षा करना, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की जिम्मेदारी भी सौंपता है। सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट आन रिकॉर्ड विकास वर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान का सम्मान ही देश का सम्मान है हमें मौलिक अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों का पालन करना बहुत जरूरी है।

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव 9 से 11 दिसंबर को मनाया जाएगा

तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर नगराधीश ने अधिकारियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों संग की बैठक

सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, सेमिनार व नगर शोभा यात्रा का किया जाएगा आयोजन

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में नगराधीश अंकित कुमार ने आगामी जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव 2024 के लिए हवन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सेमिनार, झांकियों सहित तमाम तैयारियों को लेकर अधिकारियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों संग बेहतर क्रियान्वयन के लिए मंत्रणा की।

नगराधीश अंकित कुमार ने कहा कि आगामी 09 से 11 दिसंबर तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह महोत्सव एचएसवीपी कन्वेंशन सेंटर, सेक्टर-12 में आयोजित किया जाएगा। गीता जयंती महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, सेमिनार व नगर शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ सभी सामाजिक-धार्मिक संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है।

बैठक के दौरान नगराधीश ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वें गीता महोत्सव स्थल व शोभा यात्रा के मार्ग पर साफ-सफाई, पेयजल सप्लाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के कार्यों को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। सभी सामाजिक-धार्मिक मिलकर कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने के लिए अपना योगदान सुनिश्चित करें तथा आमजन को भी अधिक से अधिक संख्या में गीता जयंती महोत्सव से जोड़ने में सहभागी बनें।

बैठक में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, एसडीएम बड़खल अमित मान, आरटीए सचिव मुनीश सहगल, एसीपी राजीव कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी और विभिन्न समाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चलाया नशा मुक्त हरियाणा अभियान

समाचार गेट/संजय शर्मा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/ पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने आज कुरुक्षेत्र में साइकिल चलाकर नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया तो दूसरी और आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुरुक्षेत्र में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

विद्यालय के प्राचार्य बीआर सैनी की अध्यक्षता में विद्यालय के सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप

निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा किस प्रकार मनुष्य के जीवन के लिए घातक है। नशे से क्या क्या व्याधियां हो रही हैं। किस प्रकार मनुष्य का तन मन और धन इस की भेंट चढ़ रहा है। विस्तारपूर्वक विद्यार्थियों को नशे के बुरे प्रभावों से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए उनसे वार्तालाप के माध्यम से स्वस्थ रहने बारे भी प्रेरित किया। ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर चर्चा की और बताया कि इस पर गुप्त सूचनाएं देकर नशा मुक्त हरियाणा अभियान में सहयोग करें। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा के साथ साथ साइबर अपराध से बचने बारे जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई।

पाली गांव में मेगा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

इम्पीरियल ऑटो और वीरीना फाउंडेशन का सराहनीय कदम

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में इम्पीरियल ऑटो इंडस्ट्रीज और वीरीना फाउंडेशन ने पाली गाँव में एक मेगा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया। यह शिविर इम्पीरियल ऑटो की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत आयोजित हुआ, जिसमें कैंसर की शुरुआती पहचान और जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया गया। शिविर में 732 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 127 लोगों ने उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से अपनी जांच कराई। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग की। इसके अतिरिक्त, सिर और गर्दन के कैंसर, ओरल कैंसर, फेफड़ों के कैंसर और ब्लड कैंसर की भी जांच की गई। शिविर में एक विशेष बस का उपयोग किया गया, जो अत्याधुनिक तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित थी। इस बस में मैमोग्राफी, फेफड़ों की जांच (एक्स-रे) और अन्य स्वास्थ्य जांच के लिए उन्नत सुविधाएँ मौजूद थीं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुई। कार्यक्रम में वीरीना फाउंडेशन के डायरेक्टर धीरेंद्र सिंह और डायरेक्टर उपासना सिंह ने सक्रिय भागीदारी निभाई। फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य डॉ. ज्योति रवि और डॉ. माधवेंद्र सिंह ने कैंसर की रोकथाम और शुरुआती पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर के संचालन में स्वयंसेवक प्रियांशु और उनकी टीम और प्रदीप कुमार ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को समझाया कि कैंसर की शुरुआती पहचान से न केवल बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है, बल्कि समय पर इलाज से जान भी बचाई जा सकती है। इसके अलावा, शिविर में उपस्थित महिलाओं और प्रतिभागियों को स्वास्थ्य से जुड़े सवालों के उत्तर भी दिए गए। शिविर में शामिल प्रतिभागियों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की स्वास्थ्य सेवाएँ ग्रामीण इलाकों में वरदान साबित हो सकती हैं। उन्होंने इम्पीरियल ऑटो और वीरीना फाउंडेशन का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह शिविर जागरूकता फैलाने और बीमारी की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होगा। यह शिविर न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह दिखाता है कि सामूहिक प्रयासों से स्वास्थ्य सेवाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाया जा सकता है।

संविधान दिवस पर क्विज, कैलीग्राफी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फरीदाबाद फरीदाबाद में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और गाइडस द्वारा संविधान दिवस पर पोस्टर मेकिंग, कैलीग्राफी एवम प्रश्नोत्तरी कंपटीशन द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि संविधान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। भारतीय संविधान में प्रस्तावना का विचार अमेरिका के संविधान से लिया गया है प्रस्तावना की भाषा को ऑस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है प्रस्तावना का प्रारंभ हम भारत के लोग से शुरू होता है और 26 नवंबर 1949 अंगीकृत पर समाप्त होता है।

भारत सेवा प्रतिष्ठान ने लगाया कैंसर जांच एवं जागरूकता कैंप

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। पंडित अमरनाथ हाई स्कूल में कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पुरुष एवं महिलाओं का फ्री चेकअप किया गया तथा कैंसर की जानकारी भी दी गई। इस शिविर में हाई रिस्क के महिला एवं पुरुषों को कैंसर की जांच के लिए चुना गया। शिविर मैं बीपी शुगर एवं आंखों की जांच भी की गई। बीपीएल कार्ड धारकों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की फ्री में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर भारत सेवा प्रतिष्ठान, डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र, लघु उद्योग भारती, KNORR BREMSE India private limited, आरडब्ल्यूए ए सी नगर के प्रधान दिनेश बांसवाल और उनकी पूरी टीम ने सहयोग किया।

लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष राकेश गुप्ता जी ने लोगो को कैंसर के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

भारत सेवा प्रतिष्ठान से अरुण वालिया जी ने बताया की हम समाज के हर वर्ग के लिए कैंसर/स्वस्थ/स्वच्छता जागरूकता कैंप पूरे फरीदाबाद में लगाते रहते हैं, जिससे लोगों में जागरूकता बढे एवं जरुतमंदों को फ्री में इलाज मिल सके।

समाधान शिविर में आने वाले प्रार्थियों की समस्याओं का हो रहा है त्वरित समाधान: डीसी

बुधवार को आई कई शिकायतों का मौके पर ही हुआ निपटारा

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार जन कल्याण के साथ जन समस्याओं के समाधान को समर्पित है। लोगों की हर प्रकार की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए समाधान शिविर सशक्त माध्यम बन रहे है जिस से आमजन को सीधे तौर पर लाभ पहुंच रहा है।

बुधवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में आयोजित समाधान शिविर में डीसी विक्रम सिंह ने कहा है कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए शहरी स्थानीय निकाय द्वारा प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर शहरी स्थानीय निकाय के कार्यालयों में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में शहरी क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान प्रार्थमिकता के साथ किया जा रहा है। नागरिक इन शिविरों में आकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं।

डीसी विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार के आदेशानुसार सेक्टर-12 स्थित उपायुक्त कार्यालय सहित सभी उपमंडल अधिकारी कार्यालयों में समाधान शिविरों का आयोजन प्रत्येक कार्यदिवस पर प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कोई भी व्यक्ति सेक्टर-12 स्थित उपायुक्त कार्यालय के कमरा नंबर 106 में प्रात: 10 से 12 बजे तक आयोजित समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का समाधान कराने के लिए अपील कर सकता है।

सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए पात्र महिलाएं करें 2 तक आवेदन: डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह के बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए अनेक योजनायें चलायी जा रही हैं। इसी कड़ी में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरस्कार देने के लिए 2 दिसम्बर 2024 तक आवेदन मांगे हैं। ये पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2025 को दिया जायेगा। डीसी ने बताया कि राज्य द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली व महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 5 लाख रुपए नकद, एक प्रशस्ति पत्र और एक शाल शामिल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी ने बताया कि आवेदक का जन्म हरियाणा में हुआ हो और महिलाओं के हित के लिए काम करती हो।

संपादकीय

रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

समाधान शिविर में शिकायतों का हो रहा मौके पर समाधान, शिविर का फायदा उठाएं नागरिक : डीसी

जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय सभागार में समाधान शिविर आयोजित

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है जिससे नागरिकों का शासन-प्रशासन में भरोसा समय के साथ और बढ़ता जा रहा है। शिविर में प्रतिदिन नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए उनका समाधान सुनिश्चित किया जाता है। बुधवार को आयोजित हुए समाधान शिविर में 07 शिकायतें दर्ज हुई। शिविर प्रत्येक कार्यदिवस को आयोजित किया जा रहा है।

उपायुक्त प्रशांत पंवार के दिशा-निर्देशन में बुधवार को आयोजित हुए शिविर में नगराधीश अशोक कुमार ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई की। शिविर में नागरिक परिवार पहचान पत्र, बिजली निगम, राजस्व विभाग, पंचायती विभाग आदि से संबंधित शिकायत लेकर नागरिक पहुंचे। इन नागरिकों ने रखी समस्याएं बिमला पत्नी राजेन्द्र की शिकायत थी कि उनका बीपीएल कार्ड निरस्त करके एपीएल कार्ड शिकायत रखी,जिस पर संबंधित अधिकारी को समाधान के निर्देश दिए। इसी प्रकार समस्त ग्रामवासी भौंकडोजी तहसील फिरोजपुर-झिरका ने शिकायत दी थी कि उनके गांव में पीने के पानी की समस्या बनी हुई संबधी शिकायत प्रस्तुत की। गांव घासेड़ा निवासी असमीना पत्नी अब्दुल वहीद की शिकायत थी कि उनके परिवार पर जानलेवा हमाला हुआ है दोषीयान फैसला कराने बारे दवाब दे रहे है, समस्या रखते हुए समाधान की मांग की, जिस पर नगराधीश ने संबंधित विभाग को समाधान के निर्देश दिए। निवासी सुरजमल ने परिवार पहचान पत्र में इनकम कम कराने संबंधी शिकायत रखी। नगराधीश ने शिविर में विभिन्न प्रकार की शिकायत लेकर आए नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को अविलंब समाधान के निर्देश दिए।

समाधान शिविर का फायदा उठाएं :

उपायुक्त प्रशांत पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशों पर नागरिकों की समस्याओं के त्वरित व प्रभावी समाधान के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सभी विभागों के अधिकारी शिविर में उपस्थित रहते हैं और नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाता है।

नागरिकों से आह्वान है कि वह अपनी शिकायतों को लेकर समाधान शिविर में आएं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय शहरी निकाय व सभी सात खंडों में समाधान शिविरों का आयोजन किया गया।

16 बिन्दुओं पर परिवार पहचान पत्र दुरूस्त करवा सकते है : एडीसी

एडीसी प्रदीप सिंह ने दी परिवार पहचान पत्र संशोधन बारे जानकारी

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह ने बताया कि नागरिक अब घर बैठे परिवार पहचान पत्र में नाम आदि की त्रुटि को दुरूस्त करवा सकते हैं। इसके लिए व्यक्ति को परिवार पहचान पत्र पोर्टल पर जाकर स्वयं या किसी भी अटल सेवा केंद्र पर जाकर यह कार्य करवा सकते हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने जनहित में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा योजनाओं के लाभ के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य किया गया है। प्रदेशभर के साथ-साथ जिला में भी परिवार पहचान पत्र बनाए गए हैं। परिवार पहचान पत्र बनवाने के दौरान नाम आदि कुछ त्रुटियां रह जाती हैं, जिसको दुरूस्त करवाया जा सकता है। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि त्रुटियां दुरूस्त करने के लिए 16 बिंदु निर्धारित किए हैं, जिनको ठीक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्वयं का नाम, पिता का पहला और अंतिम नाम, माता का पहला और अंतिम नाम, मोबाइल नंबर, बैंक खाता और आईएफएससी कोड, जाति श्रेणी,

पेशा/व्यवसाय, आय, लिंग, मृत के रूप में चिन्हित करवाना, जिंदा के रूप में चिन्हित करवाना, दिव्यांग, वैवाहिक स्थिति, योग्यता और आय से संबंधित शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्वयं का पहला और अंतिम नाम, मोबाईल नंबर, त्रुटि पोर्टल पर दुरूस्त करवाने के दौरान आधार कार्ड में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा, उस ओटीपी को डालकर त्रुटि दुरूस्त की जा सकेगी, इसके अलावा अन्य किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने बताया कि पिता का पहला व अंतिम नाम, माता का पहला व अंतिम नाम, बैंक खाता और आईएफएससी कोड की त्रुटि पोर्टल पर दुरुस्त करवाने के दौरान परिवार पहचान पत्र में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा, उस ओटीपी को डालकर त्रुटि दुरुस्त की जा सकेगी, इसके अलावा अन्य किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने बताया कि मृत के रूप में चिन्हित करवाने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र की जरूरत होगी, दिव्यांग के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र, वैवाहिक स्थिति के लिए विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, योग्यता की त्रुटि के लिए योग्यता की डिग्री की जरूरत होगी। पोर्टल पर इन त्रुटियों को दुरुस्त करने के लिए दस्तावेज अपलोड करने बाद ये सभी दस्तावेज पोर्टल के माध्यम से अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में वेरीफाई के लिए आएंगे, यहां पर वेरीफाई होने के बाद त्रुटियां दूर हो जाएंगी। आय, पेशा/ व्यवसाय आय दुरुस्त करवाने के लिए आय प्रमाण पत्र, व्यवसाय ठीक करवाने के लिए व्यवसाय का प्रमाण की जरूरत होगी। पोर्टल पर इन त्रुटियों को दुरुस्त करने के लिए दस्तावेज अपलोड करने बाद ये सभी दस्तावेज पोर्टल के माध्यम से संबंधित टीम के पास वेरीफाई के लिए आएंगे, यहां पर वेरीफाई होने के बाद त्रुटियां दूर हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि जाति श्रेणी की त्रुटि दुरुस्त करवाने के लिए जाति प्रमाण पत्र की जरूरत होगी। पोर्टल पर जाति श्रेणी को दुरुस्त करने के लिए दस्तावेज अपलोड करने बाद ये सभी दस्तावेज पोर्टल के माध्यम से संबंधित पटवारी के पास वेरीफाई के लिए आएंगे, यहां पर वेरीफाई होने के बाद त्रुटियां दूर हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि उपायुक्त प्रशांत पंवार के मार्गदर्शन में सरकार के निर्देशानुसार आय वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने इन संबंधित बिंदुओं से त्रुटि को शीघ्र दुरुस्त करवाएं ताकि वे सरकार की किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहें।

युवाओ ंको दिया जाए एमएसएमई विभाग की योजनाओं का लाभ : अनुजा बापट

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय में उप महानिदेशक अनुजा बापट जिनके पास आकांक्षी क्षेत्रों के लिए विशेष परियोजनाओं संबंधी चार्ज है, ने कहा कि आकांक्षी जिला नूंह में विभिन्न क्षेत्रों में विकास व यहां के युवाओं को एमएसएमई विभाग की विभिन्न योजनकाओं व कार्यक्रमों का लाभ देने के लिए प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि वे छोटे-छोटे रोजगार आदि से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकें।

अनुजा बापट ने लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में आयोजित जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक में कहा कि इस जिला में खेती, आर्गेनिक खेती, लघु उद्योगों की छोटी-छोटी इकाइयां स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं को इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों जैसे मोबाइल रिपेयर आदि की ट्रेनिंग दी जाए, ताकि वे स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें। एमएसएमई विभाग की अनेक योजनाएं हैं, जिनके बारे में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाए। यहां पर टमाटर सहित विभिन्न प्रकार की सब्जियों के उत्पादन के लिए अपार संभावनाएं हैं।

इस प्रकार की खेती से भी रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे और किसानों व युवाओं की आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। यहां पर पैदा होने वाली अच्छी गुणवता की उपज व फसलों के लिए निर्यात की भी संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। इसके साथ ही किसान छोटे समूह के रूप में अपना एफपीओ भी बना सकते हैं, ताकि वे अपने प्रोडक्ट की अच्छी प्रकार से मार्केटिंग कर पेकिंग के साथ बाजार में अपने प्रोडक्ट बेच सकें। आकांक्षी जिला नूंह में अधिकतर युवा ड्राइवर जैसे कार्य में निपुण हैं, इनके लिए किसी संस्थान से सर्टिफिकेट कोर्स करवाए जाएं, ताकि उन्हें ड्राइवर जैसे कार्य में और बेहतर अवसर मिल सकें। इसके साथ ही एमएसएमई विभाग की ओर से कई योजनाओं व कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए बैंक से ऋण की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इच्छुक युवा रोजगार शुरू करने के लिए ऋण योजना का भी लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस जिला से अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त प्रशांत पंवार ने कहा कि आकांक्षी जिला नूंह में सरकार की ओर से अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों को इन योजनाओं का लाभ दिया जाए। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, एसडीएम नूंह प्रदीप सिंह अहलावत, एसडीएम फिरोजपुर झिरका डा. चिनार चहल, एसडीएम पुन्हाना संजय कुमार, एसडीएम तावडू संजीव कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

नई ऊर्जा के साथ लोगों की आवाज बने जेजेपी पदाधिकारी : जिलाध्यक्ष नासिर हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। बुधवार जिला जजपा कार्यालय नूंह पर जेजेपी पार्टी की पदाधिकारी की जिलास्तरीय मीटिंग की गई। जिसमें संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नासिर हुसैन ने बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के कार्यकाल में किसानों की खूब सुनवाई हुई। जेजेपी नेता हर समय किसान और कमेरे वर्ग के हित और अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा खड़े रहे। लेकिन आज सत्ता परिवर्तन के उपरांत चंडीगढ़ में किसान-कमेरे

लोगों की सुनवाई करने वाला कोई नहीं रहा। आज किसान के साथ-साथ आम व्यक्ति परेशान और हताश है। उन्होंने कहा कि आज जेजेपी की मजबूती के लिए नई ऊर्जा के साथ पदाधिकारी को जनता के आवाज बनने की जरूरत है।पार्टी संगठन का भी विस्तार किया जाना है। सभी जन-जन तक जेजेपी की नीतियों को पहुंचाकर लोगों को पार्टी से जोडने का काम करें। मीटिंग में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए मुख्य रूप से प्रवक्ता एडवोकेट राहुल जैन, युवा प्रधान वसीम अहमद, नूह हलका प्रधान आस मोहम्मद, डॉक्टर सागर पंवार, नेतराम प्रधान खेडलीदौसा ने भी अपने विचार रखे। बैठक में आफताब खान, उमर, आज़ाद भूदर, सब्बु ठेकेदार, हामिद ठेकेदार, जमील ठेकेदार, डॉ मुस्तकीम, मास्टर कृष्ण सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कनीना में एआईपीआरओ कार्यालय संचालित करने की मांग

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सब डिवीजन बनने के 10 वर्ष बाद सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से असिस्टेंट इंफोरमेशन एंव पब्लिक रिलेशन ऑफिसर कार्यालय संचालित नहीं किया गया है। जिसे सीएम से शीघ्र ही संचालित करने की मांग की हैं। जिससे सरकार की जन कल्याणकारी नीतियां आमजन तक नहीं पंहुच पा रही हैं। इस बारे में बीते समय मीडिया कर्मियों ने तत्कालीन विधायक सीताराम यादव एवं एसडीएम सुरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर पदेश के मुख्यमंत्री से कार्यालय खोले जाने की मांग की गई थी। केंद्रीय उर्जा एवं शहरी विकास मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के चीफ मीडिया एडवाईजर सुदेश कटारिया ने भी हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कनीना में शीघ्रता से एआईपीआरओ कार्यालय संचालित करवाने का आश्वासन दिया था। ये कार्यालय खुलने के बाद मीडिया कर्मियों को भी सूचना आदान-प्रदान करने में सुविधा मिलने लगेगी। माना जा रहा है कि जनवरी 2025 तक कनीना के निर्माणाधीन लघु सचिवालय का कार्य पुरा होने के बाद कार्यालय संचालित किया जायेगा।

युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेले का किया आयोजन

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। निदेशालय के निर्देश पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खेड़ा सिवानी में युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया । रोजगार विभाग द्वारा समय-समय पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार के आधार पर 28 प्रार्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में संस्थान के वर्ग अनुदेशक श्री नरेन्द्र कुमार ने बताया कि खेड़ा प्रशिक्षण संस्थान से 28 प्रार्थियों का साक्षात्कार के आधार पर चयन किया गया। इस दौरान उन्होंने नियोक्ताओं से भी आह्वान किया कि उनके पास कोई भी पद रिक्तियां हैं, तो वे इस बारे में जिला रोजगार कार्यालय से संपर्क करें और विभाग के पोर्टल पर भी अपडेट करें। रोजगार मेले के दौरान प्रार्थियों से अपील कि वे समय-समय पर लगने वाले इन रोजगार मेलों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने किया एडवोकेट चैंबर्स लिफ्ट का उद्घाटन

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। शहर की स्थानीय बार एसोसिएशन में पूर्व वित्त मंत्री जयप्रकाश दलाल की ओर से लगवाई गई चैंबर्स लिफ्ट का बुधवार के दिन विधिवत रूप से पूर्व मंत्री जयप्रकाश दलाल ने उद्घाटन कर दिया। बार में पहुंचने पर पूर्व वित्त मंत्री जयप्रकाश दलाल का बार प्रधान सुधीर श्योराण और अधिवक्ताओं ने जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व वित्त मंत्री जयप्रकाश दलाल ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह पिछले 15 साल से लोहारु विधानसभा क्षेत्र की सेवा कर रहे हैं और यह सेवा उनकी ओर से लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अब चुनाव संपन्न हो चुके हैं किसी भी बैठक आदि में हार जीत को लेकर चर्चा ना की जाए, क्योंकि प्रजातंत्र में जनता जो करती है वह अपनी ओर से सही करती है ऐसे में बार-बार इस तरह की चर्चा करने से कोई लाभ नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके मन में जो सेवा करने की टीस है वह लगातार जारी है और हल्के में विकास कार्य लगातार पहले की तरह जारी रहेंगे इसमें कोई कमी नहीं आने दी जाएगी । उन्होंने कहा कि बार के अधिवक्ताओं ने उनका पहले भी और आज भी जो स्वागत किया है इसके लिए वह उनके आभारी है । इस मौके पर बार प्रधान सुधीर श्योराण ,सचिव सुनील कुमार, दलबीर गोदारा, सह सचिव अजीत कुमार ,अधिवक्ता माइ चंद, बाला बाजिया, समाजसेवी अमित लोहिया, राजेश केडिया सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायक सीताराम के प्रयासों से अटेली हलके में शीघ्र बनेगें 8 नए लिंक मार्ग

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव के प्रयासों के हलके के सभी गावों के 33 फुट चैडे लिंक मार्ग प्राथमिकता के आधार बना दिये गए हैं। इतना नहीं अब उनकी ओर से बीते अगस्त माह में भी 8 लिंक रोड मंजूर कराए जो बचे हुए एवं साढे 27 फुट चैडे लिंक मार्ग हैं। जिनकी शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके अलवा 8 लिंक सडक मार्ग ऐसे हैं जिन्हें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मंजूरी मिल चुकी है। जिन 8 सडक मार्गों के टेंडर होने हैं उनमें पोता से उच्चत, पोता से कुशालदास मंदिर,धनौंदा से सिहोर, सिहोर से कनीना, गणियार से कुंदरोठ की घाटी तक, रामपुरा से घाटी होते होते हुए बिहाली बार्डर तक, सुंदरह से बवानिया, सुंदरह से मुडायन शामिल हैं। जिनका प्रशासनिक अप्रूवल मिलने के बाद करोडों रूपये का एस्टीमेट तैयार कर दिया गया है। इन मार्गों के जल्द ही टेंडर अलाट किए जाएगें। जिनके निर्माण के बाद ग्रामीणों का आवागमन और अधिक आसान होगा। सीताराम यादव ने बताया कि जिन 8 सडक मार्गों को प्रदेश के मुख्यमंत्री की ओर से स्वीकृति मिली है उनमें कनीना से भडफ, खेडी से पाथेडा वाया अगिहार, मोडी से गोमला, कनीना-कोसली राडे से गाहडा-कोटिया रोड तक, बेवल से महेंद्रगढ, दौंगडा अहीर से दौंगडा जाट, कनीना-अटेली रोड से चेलावास, कनीना-अटेली राडे से महासर माता मंदिर तक सडक मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों की सर्वे रिपोर्ट तैयार कर प्रशासनिक अप्रूवल का कार्य किया जाएगा। उसके बाद एस्टीमेट तैयार किए जाएगें। उन्होंने बताया कि अटेली हलके में लिंक सडकों का जाल बिछाया गया है, प्रत्येक गांव को 3 से 4 लिंक मार्गों से कनेक्ट किया गया है। जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा हुई है। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन अश्वनी कुमार ने बताया कि 8 सडक मार्गों की टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही वर्क ऑर्डर अलाट किए जाएगें। अन्य 8 सडक मार्गों की अप्रूवल तथा एस्टीमेट का कार्य भी शीघ्र ही पूरा किया जाएगा।

पाकिस्तान में इमरान समर्थकों का हिंसक प्रदर्शन, 6 सुरक्षाकर्मियों को कुचलकर मारा

100 से ज्यादा घायल, प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

पाकिस्तान में शिया-सुन्नी समुदाय सीजफायर पर सहमत-7 दिन तक रहेगा संघर्ष विराम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में जारी संघर्ष के बीच 7 दिन के संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। सरकारी कोशिशों के बाद आपस में लड़ रही दोनों जनजातियां इसके लिए तैयार हो गई। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने दोनों समुदायों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उच्च स्तरीय आयोग बनाने का फैसला किया है। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ ने बताया कि सरकार ने दोनों समुदायों के नेताओं से बात की है। जिसके बाद सात दिन के संघर्ष विराम और एक-दूसरे को शव और बंदी लौटाने पर सहमति बनी। पिछले हफ्ते इस संघर्ष की शुरुआत तब हुई जब खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में अलीजई (शिया) और बागान (सुन्नी) जनजाति के संघर्ष में पैसेंजर वैन काफिले पर फायरिंग की गई। ये सभी गाड़ियां एक काफिले में पाराचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर जा रही थी। दोनों समुदायों के बीच तीन दिन चली इस हिंसा में अब तक 64 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में मरने वाली संख्या 100 से भी ज्यादा बताई जा रही है।

कुर्रम में आधी से ज्यादा आबादी शिया मुस्लिम की : पाकिस्तान में ज्यादातर आबादी सुन्नी मुस्लिम की है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अफगानिस्तान बॉर्डर के पास कुर्रम की 7.85 लाख की आबादी में से आधी आबादी शिया मुस्लिम की है। इस वजह से दोनों समुदायों के बीच सांप्रदायिक तनाव बना रहता है। शुक्रवार को भी हिंसा जिले के उन इलाकों में ज्यादा हुई, जहां शिया और सुन्नी समुदाय के लोग आस-पास रहते हैं।

अफगानिस्तान-नदी में गिरा यात्री वाहन, छह लोगों की मौत

फैजाबाद , एजेंसी। अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में एक यात्री वाहन के कोकचा नदी में गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय सूचना और संस्कृति विभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना रविवार देर रात हुई जब वाहन प्रांत की राजधानी फैजाबाद शहर की ओर जा रहा था। पिछले सप्ताह, इसी नदी में एक गाड़ी के गिरने से महिलाओं और बच्चों सहित आठ यात्रियों की जान चली गई थी। अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। यहां यातायात नियमों का शायद ही कभी पालन किया जाता है। सड़कें, खासकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में, अक्सर खराब स्थिति में होती हैं। इससे पहले फरयाब प्रांत में दो अलग-अलग यातायात दुर्घटनाओं में कम से कम पांच यात्रियों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। 24 नवंबर को यह जानकारी प्रांतीय संस्कृति और सूचना निदेशक शमसुद्दीन मोहम्मदी ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पहली दुर्घटना जौजजान को पड़ोसी फरयाब प्रांत से जोड़ने वाले राजमार्ग पर हुई, जहां एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और सात घायल हो गए। इसके कुछ मिनट बाद, प्रांत के पश्तून कोट जिले में एक वाहन पलट गया, जिसमें एक महिला और एक बच्चे सहित दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

चीन, कनाडा और मेक्सिको पर लगाएंगे आयात शुल्क : ट्रंप का बड़ा ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि वह जनवरी में कार्यभार संभालने के पहले दिन ही ऐसे आदेशों पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके तहत मेक्सिको और कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 25 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि वो ऐसा तब तक करेंगे जब तक ये देश अपने अमेरिका में अवैध अप्रवासियों और फेंटेनाइल दवाओं के प्रवाह को बंद नहीं करते। ट्रंप ने यह भी घोषणा की कि अगर चीन ने अमेरिका में आ रहे फेंटेनाइल को रोकने के लिए निर्णायक कार्रवाई नहीं की तो वह चीन से आने वाले सामानों पर मौजूदा दरों के अलावा 10 प्रतिशत का टैरिफ लगा देंगे। राष्ट्रपति-चुनाव के दौरान ट्रंप ने अक्सर कहा था कि वह अमेरिकी हितों की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए टैरिफ का उपयोग करेंगे। हालांकि, अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि इन टैरिफ से अमेरिका में कीमतें बढ़ेंगी, क्योंकि आयातक और जिन देशों में उत्पाद बनाए जाते हैं, वहां की कंपनियां अक्सर टैरिफ बढ़ने का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल देती हैं, और इस मामले में यह बोझ अमेरिकी खरीदारों पर पड़ेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, 20 जनवरी को, अपने कई पहले कार्यकारी आदेशों में से एक के रूप में मैं सभी आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करूंगा ताकि मेक्सिको और कनाडा पर संयुक्त राज्य अमेरिका में आने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सके और इसके बेतुके खुले बॉर्डर्स को बंद किया जा सके। उन्होंने आगे लिखा, यह टैरिफ तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि ड्रग्स, विशेष रूप से फेंटेनाइल और सभी अवैध प्रवासी हमारे देश पर आक्रमण करना बंद नहीं कर देते! मेक्सिको और कनाडा को लंबे समय से चले आ रहे

इस समस्या को हल करने का पूर्ण अधिकार और शक्ति है। हम उनसे यह मांग करते हैं कि वह अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करें और जब तक वह ऐसा नहीं करते, तब तक उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी! ट्रंप ने ट्रुथ पर एक दूसरे पोस्ट में चीन पर निशाना साधा, उन्होंने पोस्ट में लिखा, मैंने चीन से संयुक्त राज्य अमेरिका में भेजी जा रही ड्रग्स, विशेष रूप से फेंटेनाइल के बारे में कई बार बातचीत की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। चीन के प्रतिनिधियों ने मुझसे कहा था कि वह इस काम में शामिल किसी भी ड्रग तस्कर को मौत की सजा देंगे, लेकिन अफसोस, उन्होंने कभी इसे लागू नहीं किया और ड्रग्स हमारे देश में मुख्य रूप से मेक्सिको के जरिए भारी मात्रा में आ रही हैं। जब तक यह नहीं रुकता, हम चीन पर उनके सभी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में आयात हो रहे हैं, किसी भी अन्य टैरिफ के ऊपर होगा। ट्रंप ने अवैध अप्रवास को अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान का एक प्रमुख मुद्दा बनाया था, उनका दावा था कि यह अपराध से लेकर हर संभावित समस्या की जड़ है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) फेंटेनाइल को एक शक्तिशाली सिंथेटिक ओपियोइड के रूप में वर्णित करता है जिसका उपयोग सर्जरी या गंभीर दर्द के इलाज के लिए किया जा सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि फेंटेनाइल से संबंधित अधिकांश नुकसान और ओवरडोज अवैध रूप से बनाए गए फेंटेनाइल (आईएमएफ) से जुड़े हैं। फेंटेनाइल और फेंटेनाइल एनालॉग्स ने यूएस ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों में काफी वृद्धि की है। सीडीसी के अनुसार, साल 2022 में लगभग 74 हजार ड्रग ओवरडोज मौतों में सिंथेटिक ओपियोइड (मेथाडोन के अलावा) शामिल थे। जिसमें 2021 के मुकाबले लगभग पांच प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। चीन से होती है ड्रग्स फेंटानिल की सप्लाई ट्रंप ने चीन पर निशाना साधा और कहा कि चीन से अमेरिका में ड्रग्स, खासकर फेंटानिल बड़े पैमाने पर आ रही है। उन्होंने पूर्व में भी चीन के सामने ड्रग्स का मुद्दा उठाया है और चीन ने भी ड्रग्स पैडलर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन उसके बावजूद अमेरिका में फेंटानिल ड्रग्स की आमद बदस्तूर जारी है। ऐसे में हमारी सरकार चीन पर ड्रग्स न रोक पाने के लिए तय टैरिफ से अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ लगाएगी।

बलूचिस्तान में अपहृत व्यक्तियों के परिवारों का पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ प्रदर्शन

बलूचिस्तान, एजेंसी। पाकिस्तान सुरक्षा बलों द्वारा अपहृत दो व्यक्तियों के परिवारों ने अपने प्रियजनों की तत्काल और सुरक्षित रिहाई के लिए रविवार को विरोध प्रदर्शन किया. बलूच यकजेहती समिति ने पीड़ितों की पहचान दिल जान बलूच और नसीब उल्लाह बदिनी के रूप में की है. नसीब उल्लाह बदिनी को 24 नवंबर 2014 को बलूचिस्तान के नुश्की जिले से अगवा कर लिया गया था. उनके लापता होने की 10वीं बरसी पर उनके परिवार ने विरोध प्रदर्शन किया और क्वेटा प्रेस क्लब में धरना दिया. परिवार लगातार उनकी सुरक्षित वापसी की वकालत कर रहा है. उन्होंने बलूच नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में भी हिस्सा लिया. हालांकि, बलूच यकजेहती समिति के अनुसार सरकार ने उत्पीड़न को रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया. बलूच यकजेहती समिति के अनुसार दिल जान बलूच को 22 जून 2024 को जबरन गायब कर दिया गया था. परिवार एक सप्ताह से अधिक समय से अवारन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. सैन्य बल और प्रशासन विरोध को रोकने के लिए परिवार को परेशान कर रहे हैं. रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में बलूच यकजेहती समिति ने कहा, दिल जान बलूच और नसीब उल्लाह बदिनी के परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों की सुरक्षित बरामदगी के लिए विरोध कर रहे हैं, क्योंकि राज्य की हिंसा और नरसंहार प्रतिदिन तेज हो रहा है. हत्याओं की बढ़ती संख्या के साथ नरसंहार और उत्पीड़न बढ़ रहा है. कल अब्दुल गफ्फार बलूच नामक एक मछुआरे को तटरक्षक अर्धसैनिक बलों ने गोली मार दी. उनकी मछली पकड़ने वाली नाव को नष्ट कर दिया. बलूच यकजेहती समिति ने आगे कहा कि इससे पहले परिवार ने अवारन में तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया था. इस दौरान जिला प्रशासन ने वादा किया था कि अगर वे अपना प्रदर्शन समाप्त कर देते हैं तो दिल जान को रिहा कर दिया जाएगा. इन आश्वासनों पर विश्वास करते हुए, परिवार ने विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया. हालांकि अधिकारी अपने आश्वासन से मुकर गए. दिल जान अभी भी लापता है. हाल ही में बलूचिस्तान के ग्वादर जिले में पाकिस्तानी तटरक्षकों द्वारा एक बलूच मछुआरे की हत्या कर दी गई थी।

हिजबुल्लाह का इजराइल पर उसकी ही कॉपी मिसाइल से हमला

बेरूत, एजेंसी। लेबनान का लड़ाकू गुट हिजबुल्लाह इजराइल के खिलाफ एडवांस मिसाइल अलमास का इस्तेमाल कर रहा है। खास बात यह है कि हिजबुल्लाह ने यह मिसाइल इजराइल की??? एंटी टैंक मिसाइल स्पाइक की रिवर्स इंजीनियरिंग करके तैयार की है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हिजबुल्लाह ने 2006 में इजराइल की स्पाइक मिसाइल जब्त कर रिवर्स इंजीनियरिंग के लिए ईरान भेजी थी। ईरान ने इन मिसाइलों की रिवर्स इंजीनियरिंग कर अलमास मिसाइल तैयार की और हिजबुल्लाह को सौंप दी। अब 18 साल बाद हिजबुल्लाह नए सिरे से बनी इन मिसाइलों से इजराइल के सैनिक ठिकानों, कम्यूनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस लॉन्चर्स को निशाना बना रहा है। इजराइल के अनुसार, अलमास मिसाइल 16 किलोमीटर तक किसी भी टारगेट पर सटीक निशाना साध सकती है। ईरान पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अब हिजबुल्लाह ने लेबनान में ही इनका प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। हिजबुल्लाहह के पास रूसी मिसाइल भी लेबनान में दो माह पहले लड़ाई शुरू होने के बाद इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। इनमें अलमास मिसाइल भी हैं। बरामद हथियारों में रूसी कोरनेट एंटीटैंक मिसाइल भी शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दक्षिण लेबनान में इजराइली सेना को बड़ी मात्रा में रूसी हथियार मिले हैं। इजराइल के लिए खतरा बनी अलमास अरबी और फारसी भाषा में अलमास का मतलब हीरा होता है। इस गाइडेड मिसाइल को वाहनों, ड्रोन, हेलीकॉप्टर और कंधे पर रखकर फायर कर सकते हैं। यह साइड से लगने की बजाय अपने निशाने के ठीक ऊपर गिरती है। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, अलमास से लेबनान की सीमा के पास इजराइली सेना और टैंक जैसे लड़ाकू वाहनों के लिए खतरा पैदा किया है। अलमास के तीन वर्जन हैं। हिजबुल्लाह नई पीढ़ी के चौथे वर्जन का इस्तेमाल कर रहा है।

इजराइल का बेरूत पर हवाई हमला इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच लगातार वार पलटवार का सिलसिला जारी है। इजराइल ने बीते शनिवार देर रात लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमला किया। इस हमले में एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक ये हमला हिजबुल्लाह के एक टॉप कमांडर मोहम्मद हैदर को मारने के लिए किया गया था। हालांकि न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक हिजबुल्लाह ने कहा कि हमले में उसके किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। हिजबुल्लाह ने बयान जारी कर कहा कि हमले वाली वाली जगह पर उसका कोई भी कमांडर मौजूद नहीं था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले इस्कॉन के सदस्य चिन्मय दास को हिरासत में लिया गया

ढाका, एजेंसी। इस्कॉन के प्रमुख सदस्य चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सोमवार को हिरासत में ले लिय गया. वह चटगांव जाने के लिए ढाका एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, उसी समय पुलिस ने उन्हें रोक लिया. चिन्मय दास बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं. वह सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता भी हैं.

मीडिया में आ रही जानकारी के मुताबिक उन्हें ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया. वह चटगांव जाने के लिए निकले थे. वहां पर उन्हें किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेना था. वह हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर मुखर रहे हैं. हिंदुओं पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वालों में चिन्मय दास प्रमुख रहे हैं. उन्होंने हिंदुओं द्वारा आयोजित कई रैलियों में भी हिस्सा लिया है. ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के अतिरिक्त आयुक्त रेजाउल करीम मल्लिक ने उनके हिरासत में लिए जाने की पुष्टि कर दी है. उन्होंने कहा, शिकायत के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया है. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के खिलाफ चिन्मय दास आवाज उठाते रहे हैं. उन्होंने सरकार के रवैए की खुलेआम आलोचना की है. माना जा रहा है कि सरकार के खिलाफ मुखर रहने की वजह से उन्हें हिरासत में लिया गया है. प्राप्त सूचना के अनुसार उनके खिलाफ 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय ध्वज के अपमान करने का एक मामला दर्ज हुआ था. उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया. इस मामले में कुल 19 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें से एक नाम चिन्मय दास का भी है. दरअसल, 25 अक्टूबर को लालदिग्गी में एक रैली आयोजित की गई थी. इस रैली में राष्ट्रीय ध्वज

फहराया गया था. इस ध्वज के ऊपर इस्कॉन का एक गेरुआ रंग का धार्मिक झंडा फहराया गया था. नई दिल्ली स्थित द राइट्स एंड रिस्क्स एनालिसिस ग्रुप के डायरेक्टर सुहास चकमा ने कहा, राजद्रोह का मामला यह सुनिश्चित करने के लिए दायर किया गया था कि हिंदु अल्पसंख्यक उन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन को उजागर करने के लिए संघ और सभा की स्वतंत्रता के अपने अधिकार को संगठित और प्रयोग नहीं कर सकते हैं. यह वही रणनीति है जो चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) में मोहम्मद यूनुस शासन द्वारा अपनाई गई थी, जहां 19-20 सितंबर को आदिवासी छात्रों द्वारा सबसे बड़े आयोजन के बाद चार पहाड़ी जनजातियों की हत्या कर दी गई थी, 70 से अधिक घायल हो गए थे और सैकड़ों घर और व्यापारिक प्रतिष्ठान जला दिए गए थे.

उन्होंने आगे कहा कि डॉ. यूनुस एक तानाशाह बनते जा रहे हैं और आलोचकों को भी चुप कराने के लिए देशद्रोह का अपराध कर रहे हैं. चकमा ने कहा, 9 अक्टूबर को खुलना में लालमोनिरहाट की निलंबित सहायक आयुक्त तापसी तबस्सुम उर्मी के खिलाफ देशद्रोह और मानहानि का मामला दर्ज किया गया था, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर डॉ. यूनुस के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी की थी. बांग्लादेश में जब से शेख हसीना की सरकार हटी है, तब से वहां पर हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार बढ़ गए हैं. जगह-जगह पर उनके घरों और पूजा स्थलों को टारगेट किया जा रहा है. इसके विरोध में सनातन जागरण मंच ने चटगांव में विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने अपनी मांगें सरकार के सामने रखीं हैं. इनमें पुनर्वास से लेकर उनकी सुरक्षा तक की मांग की गई है।

संक्षिप्त समाचार

सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या से हैं परेशान तो आजमाएं ये 5 हेयर पैक

सर्दियां आ गई हैं और इस समय सबसे अहम बात है अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना। कई लोग इस मौसम में बीमार पड़ जाते हैं। उसी के साथ समस्या होती है स्किन और बालों से जुड़ी। स्किन खुश्क हो जाती है और बालों में रूसी की समस्या हो जाती है। ऐसे समय में कितने भी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कर लिए जाएं कोई परमानेंट उपाए नहीं मिलता है। अब अगर आपको नैचुरल इंग्रीडियंट्स चाहिए हैं तो कुछ बनाने में आसान हेयर पैक्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। ये कैमिकल प्रोडक्ट्स नहीं होते हैं और ये हेयर पैक खास तौर पर सर्दियों के समय बालों से रूसी हटाने के काम आते हैं।

अंडे का हेयर पैक

क्या आपको कुछ आसान और असरदार तरीका चाहिए जिससे ड्राई हेयर की समस्या और डैंड्रफ की समस्या दोनों ही हट जाएं, तो अंडे और नींबू से बना एक खास हेयर मास्क आपके लिए है। इस हेयर पैक में प्रोटीन की मात्रा काफी ज्यादा होती है और साथ ही साथ नींबू PH बैलेंस सही रखता है और अंडों की मदद से बाल सॉफ्ट रहते हैं।

कैसे करना है इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 अंडा लीजिए और उसे फेंट लीजिए। उसमें आधा नींबू निचोड़ें। इसे स्कैल्प पर मसाज करें और 30 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें। इसके बाद एंटी-डैंड्रफ शैम्पू से बाल धो लीजिए। रूसी पर असर पड़ेगा।

दही का इस्तेमाल

अगर आप डैंड्रफ के साथ हेयर फॉल की समस्या से भी पीड़ित हैं तो आप अकेली नहीं हैं। बहुत से लोग आपके साथ हैं और इस समस्या को दूर करने के लिए आप कई तरह के उपाय कर सकती हैं उनमें से एक है नींबू और दही के इस्तेमाल वाला ये हेयर पैक। दही में कई नैचुरल तत्व होते हैं जिससे डैंड्रफ कम होता है और बालों के झड़ने की समस्या भी कम होती है।

कैसे करना है इस्तेमाल-

दो चम्मच दही में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे पूरे बालों और स्कैल्प पर लगाएं। 30 मिनट तक रहने दें और फिर माइल्ड शैम्पू से धो लें।

चाय पत्ती का कमाल

ड्राई हेयर के साथ-साथ आपके स्कैल्प में बहुत ज्यादा रूसी हो रही है तो चाय पत्ती से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। चाय पत्ती और नींबू के कॉम्बिनेशन से आप अपने डैंड्रफ से छुटकारा पा सकती हैं और ये सिर्फ 1 हफ्ते में ही हो जाएगा।

कैसे करना है इस्तेमाल

दो चम्मच चाय पत्ती को आधे कप गर्म पानी में डालें। अब थोड़ी देर में इसे छान लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस मिला लें। अब इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और इसे 20 मिनट रहने दें। इसे साधारण पानी से धो लें। आप चाहें तो बिना छाने भी इसे इस्तेमाल कर सकती हैं। थोड़ी महीन चाय लेने की कोशिश करें।

शहद की खूबियां

अगर आपको भी ऐसी समस्या है जिसमें कंधों पर काफी सारी रूसी इकट्ठा हो जाती है तो ये शहद वाला हेयर पैक काफी काम का है। इस हेयर पैक की मदद से आप डैंड्रफ से छुटकारा पा सकती हैं और साथ ही साथ ये हेयर पैक आपके बालों को स्मूथ भी बनाएगा। नींबू तो आपके बालों के लिए एंटी फंगल साबित होता ही है। तो शहद और नींबू से बनने वाले इस हेयर पैक का इस्तेमाल करें।

कैसे करना है इस्तेमाल

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको 1 चम्मच नींबू के जूस में तीन चम्मच शहद मिलाना होगा। इसी के साथ, मास्क अपने बालों के स्कैल्प पर लगाएं। इसे 20 मिनट तक रहने दें, फिर अपने बालों को उसी तरह से धोएं जैसे आप पहले करती रही हैं। इसे हफ्ते में दो बार करें और पाएं डैंड्रफ से मुक्त स्कैल्प।

सरसों के तेल का कमाल

सरसों के तेल के फायदे क्या-क्या हैं इसके बारे में तो आप जानती ही होंगी। ये कई समस्याओं के लिए रामबाण इलाज साबित होता है। बालों और स्किन की समस्याओं के लिए ये काफी अच्छा होता है। क्योंकि ये सरसों का तेल भारत में आसानी से उपलब्ध होता है इसलिए आप अपने हेयर केयर रूटीन में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैसे करना है इस्तेमाल

नींबू के रस की कुछ बूंदे सरसों के तेल में मिलाएं और इसे अपने बालों में लगाएं। इसे लगाने के 1 घंटे बाद सिर वैसे ही धो लें जैसे धोती आई हैं। इसे 1 घंटे से ज्यादा नहीं रखें सिर में, क्योंकि इससे हेयर फॉल की समस्या भी हो सकती है।

रेसिपी

गोलगप्पे

सामग्री

- इमली- 100 ग्राम
- नमक- स्वादानुसार
- काला नमक- स्वादानुसार
- जीरा पाउडर- ½ चम्मच भुना हुआ
- पंचफोरन- द चम्मच
- सुखी लाल मिर्च- 2-3
- गुड़ या चीनी- 200 ग्राम
- चिरौंजी- ½ चम्मच किशमिश- 8-10 दाने
- तेल- ½ चम्मच

विधि

इमली की खट्टी-मिठी चटनी बनाने के लिए सबसे पहले पैन में तेल गर्म करें और इसमें पंचफोरन डालें। जब पंचफोरन तेल में गर्म हो जाए तब उसमें सुखी लाल मिर्च डालें। अब इमली का गुदा पैन में डाल दें। गुड़/चीनी भी इसमें मिला दें। गुड़ या चीनी की मात्रा अपने स्वाद के हिसाब से भी आप घटा या बढ़ा सकते हैं। गुड़ के छोटे- छोटे टूकड़े करके डालें वरना गलने में समय लगेगा। अब इसमें ऊपर लिखी बाकी सारी सामग्री भी डाल दें। चटनी बनाने के लिए इन सबको अच्छे से पैन में मिलाएं। लगभग 5 मिनट धीमी आंच पर चटनी को पकने के लिए छोड़ दें बीच-बीच में इसे हिलाते रहें। 5 मिनट बाद इमली की चटनी में ऊपर से चिरौंजी और किशमिश डालें। इमली की खट्टी-मीठी चटनी दही भल्लों पर डालकर खाने के लिए तैयार है। आप इसे किसी भी इंडियन स्नैक्स और परांठों के साथ भी खा सकते हैं। ध्यान रखें- इमली की खट्टी-मीठी को आप पहले से बनाकर भी रख सकते हैं इसे आप 2 महीने तक फ्रिज में एयर टाइट डिब्बे में बंद करके रखें ये खराब नही होगा।

सौंफ आलू

सामग्री

- आलू- 5
- दरदरा सौंफ- 2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 2 चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1 चम्मच
- दूध- 1/2 कप
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- 2 चम्मच
- बरीक कटी धनिया पत्ती- 4 चम्मच

विधि

आलू को धोकर छिलके के साथ बीच से काट लें। कुकर में तेल गर्म करें और उसमें दरदरा सौंफ डालें। उसके साथ ही कुकर में हल्दी पाउडर, नमक और लाल मिर्च पाउडर डालें। जब सौंफ का रंग सुनहरा हो जाए तो आलू के टुकड़ों को कुकर में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। चार से पांच मिनट बाद कुकर में आवश्यकतानुसार पानी डालें। कुकर का ढक्कन बंद करें और दो सीटी लगाएं। गैस ऑफ करें और कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। अब कुकर में दूध डालकर मिलाएं। आलू के टुकड़ों को हल्का-सा मैश कर दें ताकि ग्रेवी गाढ़ी हो जाए। पांच से सात मिनट तक सब्जी को और पकाएं। धनिया पत्ती से सजा कर पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा हो जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3364

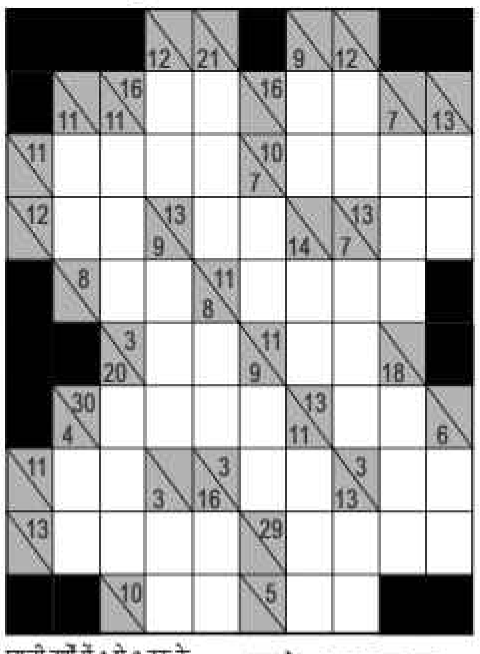

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

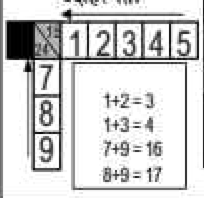

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3363 का हल

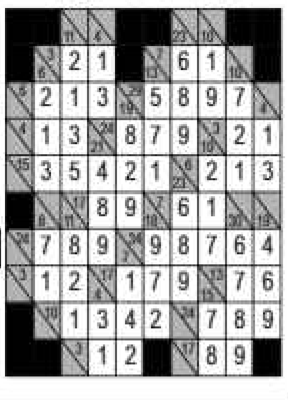

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूं, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूं, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूं.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?

नौकर: नहीं हुजूर.

मालिक: क्यों नहीं डाला ?

नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान,दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3364

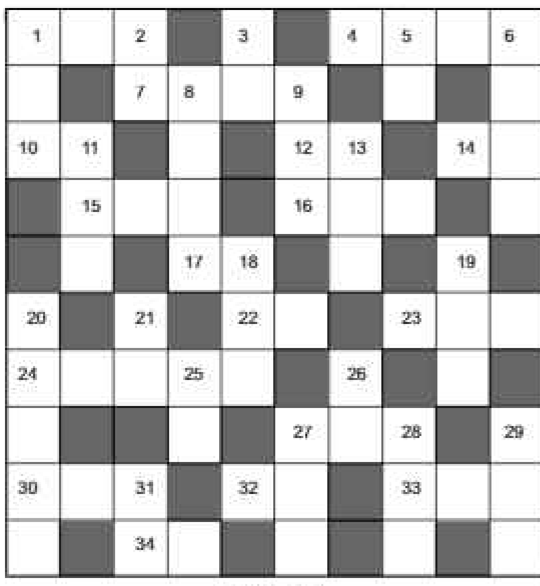

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'अके चली बकि चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फें' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, सिपुर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'जरी तो सही सोची तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी ?-३,२
२१. 'इन आँखों की आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षणा की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3363

सूडोकु -3364

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3363 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3364

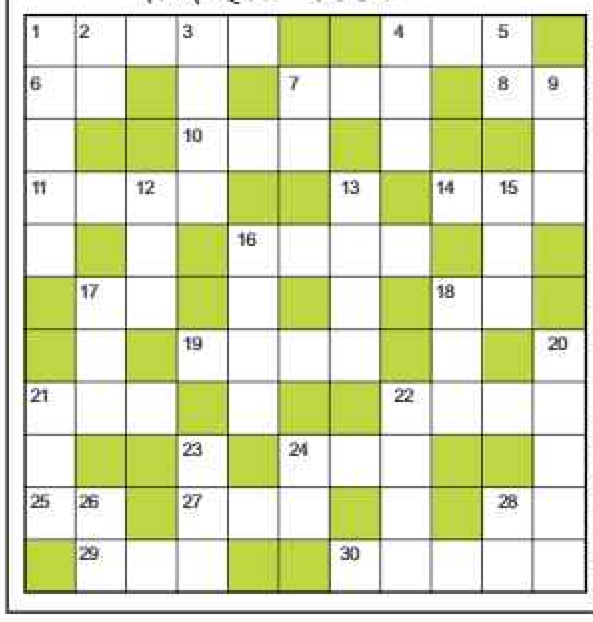

बाएं से दाएं

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरूर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3363 का हल

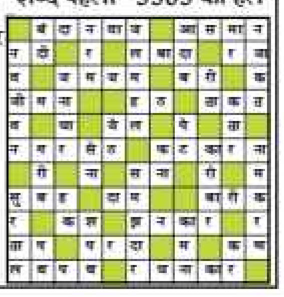

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

मंदिरों का शहर हम्पी

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत शृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विठ्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फर्ग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विठ्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरुपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झुंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर

स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरों का देश है। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवों के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात

से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ्त ले सकते है।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

सामंथा से वरुण धवन ने पूछा मजेदार सवाल, जवाब में अभिनेत्री ने पूर्व पति का किया जिक्र

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बनी की सफलता का आनंद ले रही हैं। शो में उनके और वरुण धवन की जोड़ी को फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया है। इस शो के अलावा अभिनेत्री अपने एक हालिया बयान की वजह से भी काफी चर्चा बटोर रही हैं। दरअसल हाल में ही अमेजन प्राइम वीडियो ने फैंस के साथ वरुण और सामंथा के बीच हुई मजेदार बातचीत का वीडियो साझा किया है, जिसमें अभिनेता ने उनसे पूछा कि उन्होंने सबसे ज्यादा पैसे किस बेकार चीज पर खर्च हैं। इसका अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, पूर्व प्रेमी को दिए उपहारों पर।

पूर्व प्रेमी पर किए खर्च को बेकार मानती हैं सामंथा

प्राइम वीडियो द्वारा साझा की गई बातचीत के दौरान, वरुण ने सामंथा से मजाकिया अंदाज में पूछा, आपने क्या किसी बेकार चीज पर सबसे ज्यादा पैसे खर्च किए हैं? सामंथा ने बिना कोई पल गंवाए चुटकी लेते हुए कहा, मेरे पूर्व प्रेमी के महंगे उपहार। इस पर वरुण थोड़े हैरान नजर आए। उन्होंने आगे पूछा, वो अमाउंट कितना है? इस पर सामंथा ने शांत भाव से जवाब दिया, काफी। अभिनेत्री का यह जवाब काफी ज्यादा वायरल हो रहा है।

सामंथा ने तलाक पर बनाए रखी है चुप्पी

जाहिर है कि सामंथा और नागा चैतन्या के तलाक की खबरों ने काफी ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। ऐसे में अभिनेत्री के इस स्पष्ट जवाब के बाद से सोशल मीडिया पर लोगों ने भी कई तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। हालांकि, नागा चैतन्य के साथ अपने पिछले रिश्ते के बारे में अभिनेत्री ने हमेशा से एक गरिमापूर्ण चुप्पी बनाए रखी है, लेकिन उनके इस बयान के बाद कई फैंस नागा चैतन्या की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है सिटाडेल

बात करें सामंथा रुथ प्रभु की हालिया रिलीज सीरीज सिटाडेल हनी बनी की, तो राज और डीके की जोड़ी द्वारा बनाई गई एक्शन से भरपूर यह सीरीज दर्शकों को पसंद आई है। ये सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। ये सीरीज रूसो ब्रदर्स की सिटाडेल के यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें रिचर्ड मैडेन और प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अभिनय किया है। इसमें वरुण, सामंथा और साकिब के अलावा केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार भी नजर आए हैं।

सोशल मीडिया पर मिलती नकारात्मक आलोचनाओं पर छलका अनन्या का दर्द

अनन्या पांडे बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने भले ही बहुत कम फिल्में की हैं, लेकिन लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। हाल में ही अभिनेत्री ने बॉलीवुड में अपने शुरुआती दिनों के संघर्षों को लेकर बात की है। इनमें सोशल मीडिया की अफवाहें और उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों पर संदेह आदि चीजें शामिल हैं। बरखा दत्त की मोजो स्टोरी पर बात करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे ऑनलाइन आलोचना ने उनके आत्मविश्वास को प्रभावित किया। इस बातचीत में अनन्या ने आगे कहा कि वह एक अभिनेत्री हैं, इसलिए उन्हें सोशल मीडिया पर मौजूदगी रखनी ही पड़ती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर की जाने वाली इन आलोचनाओं का नकारात्मक प्रभाव, तब समझ आया जब उनकी छोटी बहन रायसा ने उनसे खुद को इंस्टाग्राम पर टैग न किए जाने के लिए कहा। अभिनेत्री ने कहा, मैंने अपनी छोटी बहन रायसा पर भी इसका असर देखा। वह एक अभिनेत्री नहीं है और न ही अभिनेत्री बनने की उनकी कोई योजना है, लेकिन हर बार जब हम उनकी कोई तस्वीर पोस्ट करते हैं, तो वह कहती हैं कि उन्हें टैग न करें, क्योंकि लोग उन्हें फॉलो करते हैं और बुरी बातें कहते हैं।

स्कूल में भी सुनने को मिली नकारात्मक आलोचना

अनन्या पांडे ने कहा, जब मैं स्कूल में थी, तब सोशल मीडिया अभी-अभी शुरू हुआ था। मुझे हर तरह की बातें कही जाती थीं, जैसे कुबड़ा, फ्लैट स्क्रीन, चिकन लेग्स। यह स्कूल में था, तब हम अपनी सीमित दायरे में थे। अब, सोशल मीडिया की वजह से, सबसे छोटी आवाज को भी बढ़ाया जा सकता है। इसने मेरे आत्मविश्वास को प्रभावित किया और आज भी करता है। खुद से प्रेम करना एक यात्रा है, मंजिल नहीं।

अनन्या की शिक्षा को लेकर झूठ बोलने का किया फर्जी दावा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि इंडस्ट्री में उन्हें अपने पहले साल के दौरान झूठी अफवाहों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि किसी ने उन्हें स्कूल से जानने का दावा करते हुए एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और उन पर उनकी शिक्षा के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। अभिनेत्री ने कहा, जब मैंने अभी-अभी शुरुआत की थी, अपने पहले साल में, किसी ने इंस्टाग्राम पर एक फर्जी अकाउंट बनाया और उन्होंने लिखना शुरू कर दिया कि वे मेरे साथ स्कूल में थे और मैं ऐसी-वैसी थी, मैंने अपनी शिक्षा के बारे में झूठ बोला था। पहले तो मुझे लगा कि कोई भी इस पर विश्वास नही करेगा, लेकिन लोगों ने इस पर विश्वास किया। इससे मुझे काफी परेशानी हुई।

अनन्या पांडे का वर्क फ्रंट

बताते चलें कि अनन्या पांडे हाल में ही कंट्रोल और कॉल मी बे वेब सीरीज में नजर आई हैं। इनके बाद अब वह अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ एक अनाम फिल्म में भी अभिनय करने वाली हैं। इसके अलावा, उनके पास भविष्य के लिए चांद मेरा दिल और कॉल मी बे सीजन 2 भी है।

शोभिता धुलिपाला संग नया सफर शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं नागा चैतन्य

सामंथा रुथ प्रभु से अलग होने के तीन साल बाद नागा चैतन्य अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। वह शोभिता धुलिपाला के साथ शादी करने जा रहे हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि वह अपने लाइफ के नए पड़ाव की शुरुआत करने के लिए एक्साइटेड हैं। नागा चैतन्य ने अपने बर्थडे के बारे में कहा, मुझे अपना जन्मदिन मनाना पसंद है, लेकिन इसे सादगी से मनाना और अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ बिताना, अपनी पसंदीदा चीजें करना। मेरा मतलब है कि कुछ समय के लिए खुद को अलग करना, अपने कम्फर्ट जोन में रहना और अपने दिमाग को रिचार्ज करना। इस बार भी मैं यही कर रहा हू और गोवा में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिता रहा हू।

शोभिता की नागा चैतन्य के जन्मदिन पर प्लानिंग?

नागा चैतन्य से जब पूछा गया कि उनके बर्थडे के लिए शोभिता धुलिपाला ने क्या प्लानिंग की है तो वह बोले, वह सारी प्लानिंग मुझ पर छोड़ देती है। जब तक वह मरे साथ है। मेरे लिए यही काफी है। 4 दिसंबर को कपल शादी करने जा रहे हैं। इस बारे में भी एक्टर ने बात की। कहा कि उन्हें शादी को लेकर कोई घबराहट नहीं है। वह बहुत एक्साइटेड हैं। पेट में तितलियां उड़ रही हैं।

नागा चैतन्य और शोभिता की शादी कहां होगी?

एक्टर ने बताया, शादी हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में होगी। जिसके साथ एक बहुत ही खास भावना जुड़ी है। मेरे दादाजी की प्रतिमा है और उसके सामने शादी करने और उनका आशीर्वाद लेने का फैसला परिवार ने लिया था। हमारे परिवार एक साथ आकर इस जश्न को सेलिब्रेट करने के लिए एक्साइटेड हैं। एक्टर इन दिनों अपनी अगली मूवी थंडेल की शूटिंग में भी व्यस्त हैं।

फिल्म और शादी साथ हैंडल करेंगे नागा चैतन्य

उनसे जब पूछा गया कि वह कैसे दोनों चीजें हैंडल करेंगे तो वह बोले, थंडेल लगभग पूरी हो चुकी है। हमारे पास शूटिंग के लिए सात दिन से भी कम समय बचा है और वो भी इस महीने पूरा हो जाएगा। शादी अगली महीने है और दिसंबर से पहले हफ्ते में सेलिब्रेशन शुरू हो जाएगा। कुछ फैमिली कमिटमेंट्स भी होंगी। उसके बाद फिर मैं फिल्म पर लग जाऊंगा। डबिंग और प्रमोशन का काम सम्भालूंगा। इसलिए भरोसा है कि सब आसानी से बैलेंस हो जाएगा।

शोभिता धुलिपाला के बारे में बोले नागा चैतन्य

अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में चैतन्य ने आगे कहा, मैं शोभिता के साथ अपनी नया सफर शुरू करने और साथ मे लाइफ को सेलिब्रेट करने के लिए एक्साइटेड हू। मैं उसके साथ बहुत ही गहराई से जुड़ता हू। वह मुझे खूबसूरती से समझती है। और मेरे अंदर की कमी को पूरा करती है। आगे का सफर बहुत ही शानदार होने वाला है।

तेलुगु फिल्म आकाशम दाति वास्तव से डेब्यू के लिए तैयार धनश्री वर्मा

डेंटिस्ट, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और डांस कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा जल्द ही तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, धनश्री दिल राजू के बैनर तले निर्मित आकाशम दाति वास्तव नाम के तेलुगु फिल्म से अपनी शुरुआत करेंगी। इस प्रोजेक्ट में कोरियोग्राफर यश मुख्य भूमिका में होंगे। जानकारी तो यह भी है कि इस फिल्म में प्रसिद्ध मलयालम अभिनेत्री कार्तिका मुरलीधरन भी अभिनय करेंगी, जो सबा नयागन और सीआईए में अपने अभिनय से प्रसिद्ध हुईं। धनश्री के डेब्यू की बात करें तो कथित तौर पर वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस नवीनतम चर्चा पर अधिक विवरण और आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, यह एक डांस बेस्ड फिल्म है और एक कोरियोग्राफर होने के नाते निर्माताओं को धनश्री इस फिल्म के लिए परफेक्ट लगी हैं।

आकाशम दाति वास्तव की शूटिंग जारी

हालांकि, निर्माताओं ने इस भूमिका के लिए धनश्री को चुनने से पहले कई अभिनेत्रियों के ऑडिशन लिए। रिपोर्ट के अनुसार, धनश्री फिल्म में अपनी भूमिका की गहराई और पूरी कहानी पर विचार करने के बाद ही फिल्म में शामिल होने के लिए सहमत हुईं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने पहले ही फिल्म के कुछ सीन मुंबई में ही शूट कर लिए हैं। इसका बाकी हिस्सा हैदराबाद में पूरा होने की संभावना है।

धनश्री और कार्तिका मुरलीधरन के अलावा आकाशम दाति वास्तव ससी कुमार मुथुलुरी के निर्देशन की पहली फिल्म भी है। उल्लेखनीय गायक कार्तिक ने फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर तैयार किया है। खैर, एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और प्रतिभाशाली कोरियोग्राफर के रूप में अपनी उपस्थिति के कारण धनश्री पहले ही दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना चुकी हैं। जाहिर है, वह बचपन से ही एक प्रशिक्षित शास्त्रीय भरतनाट्यम डांसर भी रही हैं। धनश्री 2020 में युजवेंद्र चहल के साथ शादी के बंधन में बंधी। यह जोड़ी पहले अलग होने की अफवाहों से सुर्खियों में आई थी। हालांकि, वे केवल निराधार अनुमान थे।

प्रकाश झा ने आगामी फिल्मों पर की बात, क्या राजनीति 2-गंगाजल 3 में नहीं होंगे रणबीर-अजय?

प्रकाश झा को खास अंदाज में पर्दे पर कहानी कहने के लिए जाना जाता है, जो आम जनता को काफी आकर्षित भी करता है। हालांकि, काफी समय से उनका कोई बड़ा प्रोजेक्ट बड़े पर्दे पर नहीं आया है। आजकल के दौर में जहां फ्रैंचाइजी फिल्मों का बोलबाला है। ऐसे में प्रकाश झा ने भी हाल ही में गंगाजल 3 और राजनीति 2 की योजना का खुलासा किया है। साथ ही, उन्होंने इन संभावित परियोजनाओं में अजय देवगन और रणबीर कपूर के शामिल होने पर भी चर्चा की है।

गंगाजल 3 की स्क्रिप्ट है तैयार

गंगाजल को एक कल्ट क्लासिक के रूप में माना जाता है, जिसमें अजय देवगन के अमित कुमार के किरदार को बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन पुलिसकर्मी के रूप में सराहा गया था। हालांकि, जब प्रकाश झा ने जय गंगाजल में प्रियंका चोपड़ा के साथ सीक्वल बनाने की कोशिश की थी, जो अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ पाई। अब फिल्मकार तीसरी कड़ी में एक नया दृष्टिकोण लेकर आ रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट भी पहले ही तैयार हो चुकी है।

प्रकाश झा ने आगामी फिल्मों पर की बात

इसके अलावा वह राजनीति 2 की भी योजना बना रहे हैं। पहले भाग में रणबीर कपूर, अजय देवगन, नाना पाटेकर और मनोज बाजपेयी जैसे सितारे थे। यह फिल्म राजनीति और सत्ता के खेल को दर्शाती है, जिसमें हर किरदार का अपना महत्व था। इन फिल्मों पर बात करते हुए प्रकाश झा ने कहा, यह गंगाजल का विस्तार नहीं है, बल्कि एक नई कहानी होगी जो एक हेड कांस्टेबल के बारे में है। वहीं, राजनीति 2 पहली फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, दूसरी फिल्म पहली फिल्म का विस्तार है। समर प्रताप (रणबीर कपूर का किरदार) विदेश जा चुके हैं, लेकिन वह कहानी का हिस्सा बने रहेंगे।

क्या अजय देवगन-रणबीर कपूर होंगे हिस्सा?

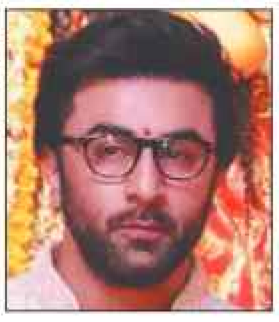

जब उनसे पूछा गया कि क्या अजय देवगन और रणबीर कपूर इन फिल्मों में अपने पुराने किरदारों को फिर से निभाएंगे, तो प्रकाश ने स्पष्ट किया कि इस बारे में कुछ भी कहना अभी मुश्किल है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह सकता कि हम कास्ट को फिर से लेंगे। दस साल पहले आप सीधे अभिनेता से मिलकर कहानी सुना सकते थे और उन्हें फिल्म के लिए मना सकते थे। अब अभिनेता खुद स्क्रिप्ट नहीं पढ़ते। उनके सहायक और मैनेजर्स ऐसा करते हैं और आपको उनसे संपर्क करने के लिए कई स्तरों से गुजरना पड़ता है। इस बातचीत में प्रकाश झा ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर कोई उपयुक्त भूमिका मिलती है तो वह अजय देवगन और रणबीर कपूर के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई प्रोजेक्ट होगा, तो उनसे संपर्क किया जाएगा, लेकिन मैं उनसे नियमित संपर्क में नहीं हू।

स्त्री 2 की सफलता के बाद राजकुमार राव ने बढ़ाई फीस

एक आउटसाइडर होने के बाद भी राजकुमार राव ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। रिपोर्ट्स की मानें तो स्त्री 2 की सफलता के बाद राजकुमार राव ने अपनी फीस बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता ने कहा, मैं हर दिन अलग-अलग आंकड़े पढ़ता हू। मैं अपने निर्माताओं पर बोझ डालने वाला मूर्ख नहीं हू। उन्होंने आगे बोला, सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर का हिस्सा बनने से एक अभिनेता के रूप में मुझमें कोई बदलाव नहीं आएगा। राजकुमार ने आखिरी में जोड़ा, मैं जीवन भर काम करना चाहता हू इसलिए मैं ऐसी भूमिकाओं की तलाश में रहता हू जो मुझे चुनौती दें।